सभी देशवासियों को स्वतंत्रता दिवस, रक्षाबंधन एवं कृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक शुभकामनाएं

PHARMA NEWS

Editor- Brejesh Kumar Garg | www.medicaldarpan.com | Monthly News Paper

B.N. Medical Complex, Bulandshahr (U.P.) Postal Reg. No. BSR 37/2024-2026 RNI UPBIL/2007/27885

Year 17 | Issue 12| DOP 10 AUGUST 2024 | Pages 12 | ₹ 10/- Copy | 09410434811, medicaldarpan.ctp@gmail.com

परम प्रीमियम के दुग्ध उत्पादों की देश-विदेश में बनी है एक अलग पहचान

Bulandshahr: परम प्रीमियम के दुग्ध उत्पादों की देश-विदेश में अपनी अलग पहचान बनी हुई है। इसका मुख्य कारण यह है कि कंपनी अपने उत्पादों की क्वालिटी को उत्कृष्ट बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहती है तथा केवल वीएलसी के कलेक्शन वाले दूध से ही देसी घी, रबड़ी, दही,छाछ, मक्खन, फ्लेवर मिल्क आदि उत्पाद बनाए जाते हैं। इस वजह से कंपनी का उत्पादन यूएसए, थाईलैंड, ओमान, बांग्लादेश, यूएई सहित दुनिया के कई देशों में अपना कारोबार बढ़ा रहा है। परम डेयरी लिमिटेड के चेयरमैन एंड मैनेजिंग डायरेक्टर राजीव कुमार का कहना है कि वर्ष 1996-97 में परम डेयरी के नाम से बुलंदशहर जनपद के खुर्जा में प्लांट लगाया था, परम प्रीमियम ब्रांड नाम से देसी घी एवं स्कीम्ड मिल्क पाउडर का उत्पादन लगभग 2 लाख लीटर से शुरू किया। प्लांट दिल्ली खुर्जा रोड पर लगा हुआ है, जहां दूध की क्वालिटी उत्कृष्ट मानी जाती है। राजीव अग्रवाल ने बताया कि दो लाख लीटर से उत्पादन शुरू किया तथा वर्तमान समय में 10 लाख लीटर दैनिक क्षमता का प्लांट हो गया है। कंपनी का दूध कलेक्शन वीएलसी के माध्यम से होता है। लगभग 5 हजार गांवों में वीएलसी सेंटर है। वीएलसी कलेक्शन का लिक्विड दूध कंपनी में प्रोसेसिंग के लिए आता है।

ड्रग तस्कर दबोचा, साथी फरार

दुर्ग (भिलाई): कफ सिरप की भारी खेप के साथ ड्रग तस्कर को रेलवे स्टेशन से लगे यार्ड के पास से गिरफ्तार किया गया है। आरा.पी के पास से करीब एक लाख रुपये कीमत की कफ सिरप जब्त की गई है। उसका दूसरा साथी मौके से फरार हो गया। दुर्ग आरपीएफ टीआई एके सिन्हा ने बताया कि सभी रेलवे स्टेशन पर सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। वे अपनी टीम के साथी एएसआई एस द्विवेदी, हेड कांस्टेबल वायके ताम्रकर और कांस्टेबल एसआर मीणा के साथ रेलवे स्टेशन की चेकिंग में लगे थे। दुर्ग स्टेशन के यार्ड के पास दो युवक संदिग्ध अवस्था में दिखे। उनके पास बड़े-बड़े बैग थे।

Cardiac catheterization laboratory inaugurated at AIIMS Raipur in Chhattisgarh

Raipur: Union Minister Prataprao Jadhav on Sunday inaugurated a new cardiac catheterisation laboratory at All India Institute of Medical Sciences Raipur in Chhattisgarh. AIIMS Raipur, which had only one cath lab that performed approximately 25 to 30 angiographies per week, now has this advanced state-of-the-art facility and it is expected to significantly increase the number of such procedures, a statement issued by the hospital said. "The second lab will not only reduce patient waiting times but also enhance the hospital's capacity to provide timely and efficient cardiac care. The new lab will also serve as a critical training ground for medical students in the DM Cardiology programme, fostering a new generation of highly skilled cardiologists," it added.

डेंगू की नई वैक्सीन के लिए इन फार्मा कंपनियों ने शुरू किया क्लीनिकल ट्रायल

नई दिल्ली: डेंगू की नई वैक्सीन जल्द ही देशवासियों को मिलने वाली है। इसके लिए कई भारतीय फार्मा कंपनियों ने क्लीनिकल ट्रायल शुरू कर दिया है। बता दें कि डेंगू मच्छरों के काटने से होने वाली एक खतरनाक बीमारी है। बरसात के मौसम में इस रोग का प्रकोप काफी बढ़ जाता है। हर साल देश में न जाने कितने लोगों को इस बीमारी से अपनी जान गंवानी पड़ती है।

Our Range
TABLET
CAPSULE
DRY SYRUP
OINTMENT
SYRUP
INJECTABLE
HERBAL PRODUCTS
SHAMPOO
SOAP
SOFT GEL
PROTEIN POWDER
SACHET
Our Group Companies
ZANEKA Healthcare Ltd.
Ambience Pharma
R.D.N. PHARMACEUTICALS
Avrio Lifecare
Ambience Pharma
Contributing to the HEALTH of Individuals WORLD WIDE
Why WE ?
• Attractive Packing & Best Quality Medicines
• Latest Molecules & High Efficacy
• Monopoly Rights & Timely Delivery
• Competitive Price with Best Promotional Inputs
• Special Schemes for Nursing Homes & Hospitals.
• Wide Range of More than 400 Products
OUR TOP SELLING PRODUCTS
• Ampicillin 250 mg + Dicloxacillin 250 mg Capsule
• Itraconazole 400 SR / 200/ 100 Capsules
• Levofloxacin 250 mg + Ornidazole 500 mg Tablets/Kid Suspension
• Etoricoxib 60 mg + Thiocolchicoside 4 mg Tablets
• Rabeprazole 20 mg + Domperidone 30 mg Capsules
• Esomeprazole 40 mg + Domperidone 30 mg Capsules
• Cefpodoxime Proxetil 200 mg + Ofloxacin 200 mg Tablets
• Lyophilized Sachromyces Boulardii Sachets
• Rabeprazole 20 mg + Levosulpride 75 mg Capsules
• Lactitol Suspension
• Clopedogrel Tablets 75 mg
• Codeine Syrup
• Lactulose 10 g + White Dextrin 3.5 g + Polydextrose 2.1 g & Fructo-oligosaccharides 2.5 g Suspension
Third Party Manufacturing in WHO-GMP Unit.
Dedicated Plant for Clav Products.
TRADE ENQUIRES ARE WELCOME FOR PCD / FRANCHISE / THIRD PARTY MANUFACTURING AT :-
Ph. +91-9997971077, +91-9627761357
Email :- ambiencepharma@gmail.com
www.ambiencepharma.com

मेडिकल स्टोर पर सरकारी दवा बेचते दो गिरफ्तार, दुकानदार पर एफआईआर

अमनौर: मेडिकल स्टोर पर सरकारी दवा बेचने के मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी दुकानदार पर एफआईआर दर्ज करा दी गई है। सलखुआं गांव में औषधि विभाग के अधिकारियों ने छापेमारी में भारी मात्रा में सरकारी दवाइयां बरामद की हैं। गुप्त सूचना के आधार पर भेल्दी पुलिस ने दवा खरीद-बिक्री करते दो युवकों को पकड़ा, जिनके पास से भारी मात्रा में सरकारी दवाइयां बरामद हुईं। पूछताछ में कुंदन कुमार ने बताया कि सलखुआं से उसने दवा खरीदी है। आरोपी की निशानदेही पर विभाग की टीम व अमनौर और भेल्दी पुलिस ने विदुर तिवारी की दवा दुकान पर छापेमारी की। मौके से भारी मात्रा में सरकारी दवाइयां बरामद हुईं। औषधि निरीक्षक , सारण-3 संजय कुमार सिंह ने बताया कि मानक ड्रग इंटरप्राइजेज नामक दवा की दुकान की जांच की गई। मौक से तीन कार्टून में 16 प्रकार की सरकारी दवाइयां बरामद हुईं। दवा विक्रेता मौके पर उपस्थित नहीं था. दुकान से किसी प्रकार का अभिलेख प्रस्तुत नहीं किया है। आरोपी दवा विक्रेता विदुर तिवारी के खिलाफ अमनौर थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई गयी है। वहीं भेल्दी पुलिस ने कुंदन कुमार एवं कामेश्वर राय को गिरफ्तार किया है।

Helax
We Present WHO-GMP manufactured formulation at lowest price
3rd Party Manufacturing
Specialization
Hormones
Cephalosprins
Pencillin
Non Betalactum Section
Ayurvedic / Siddha
Unani Drugs
Foods
Natraceuticals (FSSAI) Supplements
Super Specialization
INFERTILITY
NEPHROLOGY
UROLOGY
CARDIOVASCULAR
CENTRAL NERVOUS SYSTEM
ANTI DIABETES
MUSCULO SKELETAL
PSYCHO TROPIC
ANTIBIOTIC
ANTI-INFECTIVE
ALIMENTARY
ANALGESICS
"Supporting your healing hands." Helax
HELAX HEALTHCARE PRIVATE LIMITED
Mr. HARSH GUPTA 7417935356 www.helax.in

ऑनलाइन दवाओं के प्रति किया अलर्ट, विस्फोट की आशंका

नई दिल्ली प्राप्त समाचार के अनुसार ऑनलाइन वजन घटाने वाली नकली दवाओं के प्रति अलर्ट किया गया है। फार्मासिस्टों ने आमजन को चेताया है कि वे ऑनलाइन नकली वजन घटाने वाली दवाएं न खरीदे। उनका कहना है कि ओजेम्पिक की कमी अगले साल तक जारी रहने की उम्मीद है। नेशनल फार्मेसी एसोसिएशन (एनपीए) ने सुझाव दिया कि इसके परिणामस्वरूप ऑनलाइन दवाओं की बिना लाइसेंस बिक्री में विस्फोट हो सकता है। वजन घटाने वाले दवा इंजेक्शनों को सेलिब्रिटी विज्ञापनों तथा ऑनलाइन तस्वीरों के माध्यम से लोकप्रिय बनाया गया है और नकली संस्करण खतरनाक हो सकते हैं। बताया गया है कि ओजेम्पिक सेमाग्लूटाइड्स का एक ब्रांड है जो टाइप 2 मधुमेह से पीडित लोगों को उनके रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है। कई देशों में वजन कम करने के लिए भी इसे लिया जा रहा है। बता दें कि वर्तमान में ओजेम्पिक की कमी है। इसकी मांग अधिक है और कुछ डॉक्टर इसे बिना पर्चे के लिख रहे हैं, क्योंकि इसे दवा को वजन घटाने के लिए लाइसेंस नहीं मिला है।

हालांकि एनएचएस पर उपलब्ध ओजेम्पिक, टाइप 2 मधुमेह से पीड़ित लोगों की मदद करता है, लेकिन भूख को दबाने की इसकी क्षमता के कारण लोग इसका उपयोग वजन कम करने के लिए कर रहे हैं। इसके चलते दवा की कमी हो गई है और नकली टीकों की बिक्री बढ़ रही है। एनपीए ने आमजन से अपील की है कि वे ब्रिटेन में पंजीकृत या विनियमित न होने वाले विक्रेताओं से ऑनलाइन दवाइयां खरीदने के बजाय फार्मासिस्ट या जीपी से ही खरीदें। स्वास्थ्य एवं सामाजिक देखभाल विभाग के प्रवक्ता ने कहा कि अनधिकृत ऑनलाइन खुदरा विक्रेताओं या ब्यूटी सैलून से विनियमित दवाइयां न खरीदें, क्योंकि वे खतरनाक हो सकती हैं।

हेल्थकेयर सेक्टर में प्रवेश करेगा बजाज ग्रुप

मुंबई: हेल्थकेयर सेक्टर में अब बजाज ग्रुप भी शामिल होने जा रहा है। बताया जा रहा है कि बजाज ग्रुप देश के कई शहरों में हॉस्पिटल चेन खोलेगा और इसकी शुरुआत मेट्रो शहरों से होगी। फिलहाल यह योजना शुरुआती चरणों में है और हेल्थकेयर क्षेत्र में उतरने के लिए ग्रुप एक नई कंपनी बना सकता है। संभावना है कि ग्रुप की स्टील कंपनी, मुकंद में कॉरपोरेट स्ट्रैटजी के प्रमुख नीरव बजाज ही इस प्रोजेक्ट की कमान संभालेंगे। बता दें कि नीरव, नीरज बजाज के बेटे हैं, जो मुकुंद के चेयरमैन और एमडी होने के अलावा बजाज ऑटो के भी चेयरमैन है। बताया जा रहा है कि इनवेस्टमेंट योजनाओं पर अभी फैसला होना बाकी है। नए बिजनेस के लिए मुंबई के लोअर परेल में एक ऑफिस खोला गया है। ग्रुप की ओर से चरणों में निवेश करने की संभावना है। दिसंबर 2023 में बजाज ग्रुप का मार्केट कैपिटलाइजेशन 10 लाख करोड़ पार कर गया था। बजाज ग्रुप की स्थापना 1926 में जमनालाल बजाज ने की थी। इसका बिजनेस ऑटोमोबाइल, घरेलू अप्लायंसेज, लाइटिंग, आयरन एंड स्टील, इंश्योरेंस, ट्रैवल और फाइनेंस सेक्टर में है।

TORIOX LABORATORIES
Manufacturers of Quality Nutraceutical & Ayurvedic Products
Wide range of Syrups, Tablets, Capsules, Sachets, Energy Powders, Oils, Protein Powders and Effervescent Tablets Available
For Manufacturing Related Queries
Call 99916 53003
All types of
Third party Manufacturing Enquiries
Own Brand Manufacturing Enquires
Bulk Manufacturing Enquires
Welcome
TORIOX LABORATORIES
Plot No. 52, HSIIDC Alipur, Barwala, Panchkula, Haryana-134117
E-mail: info@torioxlaboratories.com
www.torioxlaboratories.com

BEN PHARMACEUTICALS
An ISO9001:2015 & GMP/GLP Certified Company
A COMPANY WITH ITS MANUFACTURING UNITS AS PER SCHEDULE " M" & GMP GUIDELINES ENGAGED IN MANUFACTURING & PROMOTION OF PHARMA PRODUCTS FOR THE LAST 36 YEARS.
Third Party Manufacturing & PCD/Franchise
Caring For Generation Next
WORLD CLASS PRODUCTS EXCLUSIVE & LATEST MOLECULES WITH INTERNATIONAL PACKING
WIDE RANGE OF PRODUCTS IN TABLETS, CAPSULES, LIQUIDS, INJECTIONS SACHET, DRY SYRUP OINTMENT, DERMA SOAPS, LOTION & IV FLUIDS
WE CALL FOR FRANCHISEES MARKETING PHARMA EXPORTS, AREA MANAGERS ETC. WITH FINACIALLY SOUND BACKGROUND MAY APPLY
in Case of any enq please cont: 8689000358
Unit-1:
BEN PHARMACEUTICALS
(An ISO 9001:2015& GMP/GLP Certified Company)
Kuldeep Nagar, Nanhera Road.
Ambala Cantt.133004 (Haryana)
Mob: 8689000357 8689000358, 8689000359
Email: purchasebenpharma@gmail.com
Corporate Office:
BEN* MED PHARMA PVT LTD.
(A unit of Specure Med Pvt Ltd.)
(An ISO 9001:2015& GMP/GLP Certified Company)
G.T. Road Motor Market, Ambala City-134003.
Mob:9813823456, Email: benpharma121@gmail.com
www.benpharmaceutical.in www.benpharma.in
36 YEARS

मेडिकल स्टोर में मिला क्लीनिक, दवाएं जब्त

पूर्वी चंपारण (बिहार): मेडिकल स्टोर पर छापेमारी कर भारी मात्रा में दवाएं जब्त की गई हैं। दवा दुकान में अवैध रूप से क्लीनिक भी चलता मिला। बिना लाइसेंस के दुकान का संचालन पाया गया था। यह कार्रवाई औषधि निरीक्षक की टीम ने तुरकौलिया थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर नहर के पास एक दवा दुकान में की। यह दुकान गोविंदपुर टिकैता के मुखिया पति कयामुद्दीन अंसारी के छोटे भाई अंबर अंसारी की है। छापेमारी के कुछ देर पहले ही संचालक दुकान से फरार हो गए थे। इसके पहले शंकर सरैया चौक पर मुखिया पति कयामुद्दीन अंसारी की दवा दुकान में छापेमारी की गई थी। वहां भी प्रतिबंधित दवाएं मिली थीं। इस दवा दुकान को भी बिना लाइसेंस के चलाया जा रहा था। छापेमारी टीम का नेतृत्व औषधि निरीक्षक सुशील कुमार ने किया। उनके अलावा, टीम में औषधि निरीक्षक दयानंद प्रसाद, मोहम्मद रइस आलम व दंडाधिकारी के रूप में सीओ संतोष कुमार शामिल रहे।

दुकान के अंदर मिला क्लीनिक : औषधि निरीक्षक सुशील ने बताया कि सिविल सर्जन के आदेश पर उक्त कार्यवाही हुई है। दवा दुकान से फिजिशियन सैंपल के अलावा अन्य दवाएं जब्त की गई है। दुकान के अंदर चिकित्सक का क्लीनिक संचालित दिखा। यह चिकित्सक पीएन यादव का बताया गया है। दो दवाएं के सैंपल लिए गए हैं। दवा निरीक्षक ने बताया कि दुकानदार अंबर अंसारी के खिलाफ कोर्ट में केस दर्ज करवाया जाएगा।

नशे की दवाओं की खरीद-फरोख्त करता कारोबारी दबोचा, किराये के कमरे से चला रहा था धंधा

सिरमौर (हप्र): नशीली दवाओं की खरीद-फरोख्त करता कारोबारी दबोचा गया है। कालाअंब पुलिस ने प्रतिबंधित नशीली दवाओं की खेप सहित एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी यह अवैध धंधा किराये के कमरे में कर रहा था। पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि हरपाल सिंह (39) मूल निवासी हरियाणा किराए के मकान में रहकर प्रतिबंधित नशीली दवाइयों/ गोलियों की खरीद-फरोख्त का धंधा करता है। सूचना के आधार पर पुलिस ने पीपल वाला बिक्रमबाग क्षेत्र में आरोपी हरपाल सिंह के किराये के कमरे पर दबिश दी और उसे मौके से गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान आरोपी के किराये के कमरे से दो काले रंग की पॉलीथीन बरामद हुई। इनमें एक पॉलीथीन के अंदर से 9 पत्ते प्रतिबंधित नशीली गोलियां के बरामद हुए। इनके बैच नंबर हरे रंग से मिटाए हुए थे। वहीं, दूसरे पॉलीथीन लिफाफे से पुलिस ने 42 पत्ते की कुल 420 गोलियां बरामद की।

झोलाछाप डॉक्टर के क्लीनिक पर रेड, सील

उमरिया: झोलाछाप डॉक्टर के अवैध क्लीनिक पर छापेमारी कर सील किए जाने का मामला सामने आया है। यह कार्रवाई प्रशासनिक अमले ने ग्राम चिल्हारी में की है। मौके से काफी मात्रा में फ्लूड व दवाइयां जब्त की गई हैं। बताया गया कि कार्रवाई की भनक लगते ही फर्जी डॉक्टर क्लीनिक के पीछे के दरवाजे से फरार हो गया। फर्जी डॉक्टर के पास किसी भी प्रकार की चिकित्सा संबंधित कोई वैध डिग्री या लाइसेंस नही मिला।

PCD Pharma Franchise Business Opportunities
Contact us : +91 8629001801, Email : epsilonbiotech@gmail.com
NEAR SENIOR SECONDARY SCHOOL, MOGINAND,KALA-AMB, NAHAN SIRMOUR,HIMACHAL PRADESH PIN-173030
BioSoft Lifesciences Pvt. Ltd. Contact us : +91 8580941809 Mr. Dalip Singh
Epsilon Biotech Contact us : +91 8580941815 MR. Ashwani
BioSun Discovery Contact us : +91 9317012602 Miss. Sakshi Thakur
Milestone Contact us : +91 8580941805 Mr. Balinder
Lee France Derma Contact us : +91 8580941811 Miss. Swatika Kalche
Aloria Naturals Contact us : +91 8580941802 Mrs. Bharti Tomar
Dmax Healthcare Contact us: +91 85809 41810 Mrs. Rekha Chauhan
Amritya Herbals Contact us : +91 8580941819 Mrs. Nirmal Thakur
Junior Care Contact us : +91 8580941803 Mrs. Lavika Chaudhary
La' Glen Derma Contact us : +91 8580941817 Miss. Yukti Chauhan
Alvic Cure Contact us : +91 8580941804 Miss. Sweety Kumari
Ved Sindari Contact us: +9186290 01804 Mrs. Monika Shrma
All the products are of WHO,GMP Certified Manufacturing Units
All Products are Trademark Registered
Softgel Capsules
Tablets
Hardgel Capsules
Sachets
Protein Powder
Liquids
Derma & Cosmetics

मेडिकल स्टोरों पर की छापेमारी, सात दवाओं के सैंपल लिए

मीरगंज/शीशगढ़ (बरेली): मेडिकल स्टोरों पर छापेमारी का मामला सामने आया है। जांच के दौरान सात दवाओं के सैंपल लिए हैं और इन्हें जांच के लिए लैब में भेजा है। औषधि निरीक्षक की टीम ने शीशगढ़ के मेडिकल स्टोरों पर छापेमारी की। टीम ने भारत मेडिकल स्टोर से सात जीवनरक्षक संदिग्ध दवाओं के सैंपल लिए और इन्हें लखनऊ प्रयोगशाला में जांच के लिए भेजा है। बिना बिल की दवाओं की बिक्री करने पर रोक लगा दी गई है। औषधि निरीक्षक अनामिका अंकुर जैन, राजेश कुमार की टीम करीब तीन घंटे तक जांच में जुटी रही। छापेमारी की सूचना मिलते ही कुछ मेडिकल संचालक अपनी दुकानें बंद कर भाग गए। औषधि निरीक्षक बरेली राजेश कुमार ने बताया कि बिना लाइसेंस के संचालित मेडिकल स्टोरों पर छापेमार कार्यवाही जारी रहेगी।

REALNOVA HEALTHCARE
(AN ISO 9001 : 2015 CERTIFIED COMPANY)
MORE THEN 500+ Products RANGE
Your Enquires are Welcome For PCD/Franchise & Third Party Manufacturing
WITH THE WIDE RANGE OF
TABLETS
SOFT GELATIN CAPS
PAEDIATRIC
EYE/EAR DROPS
OINTMENT/SOAP
PROTEIN POWDER
CARDIAC/DIABETIC
INJECTABLES
OZENIUS PHARMACEUTICALS
Realved
EYESUKUN CARE
Cadinor
Contact no:-
+917009737900,
+917495006399
realnovahealthcare@gmail.com
www.realnova.in
ozeniuspharma@gmail.com
www.ozeniuspharma.com

मैनकाइंड फार्मा करेगी भारत सीरम एंड वैक्सीन्स का अधिग्रहण

मुंबई: मैनकाइंड फार्मा कंपनी भारत सीरम एंड वैक्सीन्स (बीएसवी) में सौ फीसदी हिस्सेदारी हासिल करेगी। इसके लिए 13,630 करोड़ में अधिग्रहण करने का निश्चित समझौता किया है। कंपनी ने कहा कि वह निजी इक्विटी निवेशक एडवेंट इंटरनेशनल से करीब 13,630 करोड़ रुपये में भारत सीरम और वैक्सीन का पूर्ण अधिग्रहण करेगी। इससे दवा निर्माता खुद को भारतीय महिला स्वास्थ्य और प्रजनन दवा बाजार में अग्रणी के रूप में स्थापित कर रहा है।

Patient's abandonment: 2nd Pune's Sassoon hospital doctor suspended

Pune: According to the news received The dean of BJ Medical College and Sassoon General Hospital, Dr Eknath Pawar, on Monday suspended a junior resident doctor for assisting another junior resident in forcefully discharging a handicapped patient in the early hours of July 22. The first doctor was suspended on July 23 following police registering an FIR under section 125 (rash or negligent act as to endanger human life or the personal safety of others) of the Bharatiya Nyaya Sanhita against him and another staffer. The dean also formed a committee to inquire into the matter after a video surfaced showing the patient, with both his legs amputated, under a tree in Yerawada.

Based on the internal committee's report, Pawar said they found that one more male junior resident was involved in escorting the patient out of the hospital. "We have suspended the second doctor from academic activities till further notice and have also recommended that both be expelled from the hostel and the college for one academic term. We have sent a copy of the report to the medical education department, the DMER (Directorate of Medical Education and Research) director, and the medical education commissioner, and the decision to expel the duo lies with them," he said. Pawar further said that no other staff, including nurses, was found involved in the incident. "The report includes the reply from the head of orthopedic department, Dr Girish Bartakke, to our show cause notice. Bartakke has claimed that he was unaware of the incident and we have no proof of his involvement." Both junior doctors, pursuing a master's in surgery in orthopaedics and in their first year, were caught on CCTV cameras taking the patient outside the building premises, an official said. Earlier, Pawar had said that the patient had repeatedly requested to be discharged, but without anyone to complete the procedure, he could not be allowed to go.

प्रतिबंधित दवा ट्रामाडोल बनाने का पर्दाफाश

अहमदाबाद: फार्मा कंपनी में अवैध रूप से प्रतिबंधित दवा ट्रामाडोल बनाने का पर्दाफाश हुआ है। गुजरात आतंकवाद निरोधी दस्ते (एटीएस) ने दाहेज में एक दवा प्रतिष्ठान से 1,410 लीटर अवैध तरल ट्रामाडोल जब्त किया। जब्त किए स्टॉक की बाजारी कीमत 31.02 करोड़ रुपये बताई गई है। दो आरोपियों पंकज राजपूत और निखिल कपूरिया को गिरफ्तार कर लिया गया है। एटीएस अधिकारी को गुप्त सूचना मिली थी कि भरूच जिले के दाहेज में जोलवा जीआईडीसी के अंदर स्थित एक फार्मास्युटिकल इकाई में गुप्त रूप से ट्रामाडोल का निर्माण किया जा रहा है। इस पर टीम ने आपरेशन चलाया और मौके से फार्मास्युटिकल कंपनी के मुख्य संचालक पंकज राजपूत और और निखिल कपूरिया को गिरफ्तार कर लिया।

कफ सिरप की तस्करी का भंडाफोड़, गिरोह से जुड़े दो तस्कर गिरफ्तार

सोनीपत: कफ सिरप की तस्करी का मामला पकड़ में आया है। हरियाणा स्टेट नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की टीम ने कुंडली-मानेसर-पलवल (केएमपी) एक्सप्रेस-वे पर गांव बढ़मलिक के पास नशे में इस्तेमाल होने वाली 76.80 लाख रुपये की प्रतिबंधित कफ सिरप की खेप पकड़ी है। पुलिस ने इस मामले में मूलरूप से झज्जर के गांव गोच्छी निवासी जितेंद्र व बेरी निवासी सुधीर को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी फिलहाल रोहतक की जनता कॉलोनी में रहते हैं। पता चला कि यह दवाएं त्रिपुरा भेजी जा रही थीं।

एचएसएनसीबी रोहतक की टीम के जयबीर सिंह ने बताया कि उन्हें सूचना मिली कि प्रतिबंधित कफ सिरप से भरा कंटेनर लावारिस हालत में केएमपी पर खड़ा है। कंटेनर सुधीर और जितेंद्र का है। टीम ने मौके पर पहुंचकर कंटेनर कब्जे में ले लिया। कंटेनर में तलाशी ली गई और प्लास्टिक के 200 बोरे बरामद हुए। 384 गत्ता पेटियां मिलीं। इनमें 38400 कोडीन फास्फेट कफ सिरप पाया गया। इनका इस्तेमाल नशे के लिए होता है। प्रत्येक गत्ता पेटी में 100 शीशी मिली। ड्रग्स नियंत्रण अधिकारी मुंशी राम ने बताया कि बरामद दवा की सभी शीशी प्रतिबंधित नशीली दवाइयों की श्रेणी में आती हैं। राई थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। पूछताछ में प्रतिबंधित दवाओं को दिल्ली के अलीपुर से त्रिपुरा ले जाया जा रहा था। अलीपुर में आरोपियों ने गोदाम बना रखा है। इसकी जानकारी अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के बाद लग सकेगी। इंस्पेक्टर पवन कुमार ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि गिरोह में छह से सात सदस्य हैं। सभी के अलग-अलग काम हैं। एक गाड़ी की व्यवस्था करता है। दो अन्य प्रतिबंधित दवा लेकर आने के बाद दिल्ली के अलीपुर में स्टॉक करते हैं। एक सदस्य वाहन का इंतजाम कर उसे त्रिपुरा में सप्लाई करता है। वह जिस रूट से गाड़ी लेकर जाते हैं, इसकी जानकारी अन्य सदस्यों तक को नहीं देते। फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन में जुटी हैं।

नशीली टेबलेट और इंजेक्शन की तस्करी में महिला गिरफ्तार

अंबिकापुर। नशीली टेबलेट और इंजेक्शन की तस्करी में एक महिला को गिरफ्तार किया गया है। महिला के कब्जे से 10512 नग अवैध प्रतिबंधित नशीला टेबलेट एवं 400 नग प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन जब्त किए गए है। इसकी अनुमानित कीमत पांच लाख रुपये आंकी गई है। आरोपी महिला बिहार के औरंगाबाद से नशीली दवा व इंजेक्शन लाकर सूरजपुर जिले में खपाने वाली थी। आरोपित महिला का नाम गायत्री सिंह उर्फ सपना खालपारा श्रीनगर (रामानुजनगर) बताया गया है। वर्तमान में वह अंबिकापुर में रह रही थी।

थाना गांधीनगर पुलिस टीम पेट्रोलिंग में थी। मनेन्द्रगढ़ रोड अजिरमा बुधवारी बाजार के पास सड़क किनारे एक महिला पीठ पर काले रंग का पिठ्ठू बैग एवं एक बड़ा थैला लिए हुए थी। वह पुलिस को देखकर अपना थैला झाड़ी में छिपाने का प्रयास करने लगी। महिला पर शक होने से उसे पकड़ लिया और तलाशी लेने पर नशीली दवाइयों का जखीरा मिला।

महिला से पूछताछ में पता चला कि उक्त प्रतिबंधित नशीली टेबलेट व इंजेक्शन वह औरंगाबाद बिहार से लाकर श्रीनगर सूरजपुर में बिक्री करने के लिए लाई थी।

टीम में ये रहे शामिल : इस कार्रवाई में थाना प्रभारी गांधीनगर निरीक्षक प्रदीप जायसवाल के अलावा महिला आरक्षक भोली राजवाड़े, त्रिलोचनी राजवाड़े आरक्षक अनिल सिंह, ऋषभ सिंह, उमाशंकर साहू, अतुल सिंह, अरविन्द उपाध्याय,इजहार अहमद, पंकज लकड़ा, सत्यम सिंह शामिल रहे।

एक ऐसा युग चल रहा है जिसमें धर्म के नाम पर सब लड़ने को तैयार है, लेकिन धर्म के रास्ते पर चलने के लिए कोई भी तैयार नहीं.

डी फार्मा की फर्जी डिग्री के नाम पर करोड़ों का घोटाला

बरेली: प्राप्त समाचार के अनुसार डी फार्मा की फर्जी डिग्री के नाम पर करोड़ों रुपये का घोटाला सामने आया है। जांच में डी फार्मा की सभी मार्कशीट सत्यापन में फर्जी मिली हैं। वहीं सैकड़ो छात्रों का भविष्य भी अधर में लटक गया। हालांकि, कार्रवाई से बचने के लिए खुसरो डिग्री कॉलेज के डी फार्मा इंचार्ज ने थाना सीबीगंज में धोखाधड़ी और जालसाजी का केस दर्ज कराया है। जबकि इस फर्जीवाड़े में खुसरो कॉलेज और उसका प्रबंधन बराबर का गुनहगार बताया जा रहा है।

कंसल्टेंसी पर लगाए धोखाधड़ी के आरोप : खुसरो डिग्री कॉलेज के डी फार्मा कोर्स प्रभारी विश्वनाथ शर्मा ने पुलिस शिकायत में बताया कि आस्था कंसलटेंसी सेन्टर के प्रभारी डॉ. विजय शर्मा ने 109 छात्र-छात्राओं से करोड़ों रुपये वसूले और उन्हें फर्जी मार्कशीट थमा दी। डॉ. विजय शर्मा का कहना है कि उनके पास कंसलटेंसी सेन्टर था, जो दो वर्ष पूर्व बंद कर दिया था। वे खुसरो कॉलेज में डी फार्मा के फार्म भरने का काम देखते थे और उन्हें दस हजार रुपये प्रति छात्र कालेज की तरफ से दिया जाता था।

2.30 लाख वसूल कर भी थमा दी फर्जी डिग्री : एक छात्र शनि ने बताया कि उन्होंने डी फार्मा के कोर्स के लिए दो लाख तीस हजार रुपये फीस के रूप में दिए थे, लेकिन उसे फर्जी मार्कशीट दे दी गई। जब उन्होंने आवेदन के दौरान कागजों का सत्यापन कराया, तो इस फर्जीवाड़े का पता चला। बता दें कि खुसरो कॉलेज के माध्यम से करीब 400 छात्र-छात्राओं को फर्जी डी फार्मा की डिग्री दी गई। इसमें अभी तक 109 छात्र-छात्राएं कालेज के चक्कर काट रहे हैं। उन्हें उनके रुपये भी वापस नहीं किए जा रहे हैं।

Govt must remove 'anti-people' GST on life, health cover: CM

Kolkata: According to the news received CM Mamata Banerjee on Thursday upped the ante on Centre over GST on life insurance and medical insurance premiums and sought rollback of the "anti-people" tax component. Her statement came a day after Union road transport and highways minister Nitin Gadkari urged finance minister Nirmala Sitharaman to consider suggestions to remove GST on life and health insurance premiums. "Our demand to govt of India is to roll back GST on life insurance and medical insurance premiums on grounds of people's health imperatives. This GST is bad because it adversely affects people's ability to take care of their basic vital needs. If govt of India does not roll back the anti-people GST, we will be bound to hit the streets," Banerjee posted on X. Earlier in the day, the issue also brought about a rare Upper House camaraderie when TMC's Rajya Sabha MP Dola Sen backed Gadkari's demand to Sitharaman. "We support Nitin Gadkari's demand to roll back 18 per cent GST on health insurance premiums. Finance minister, either withdraw this or resign," Sen said in RS.

TMC's Rajya Sabha MP Derek O'Brien said: "Govt had imposed 18 per cent GST on life and health insurance premiums. Trinamool raised this in Parliament on July 29 and were the first to ask for its withdrawal for humanitarian reasons. Finance minister, withdraw this or resign." TMC spokesperson Saket Gokhale had raised this issue earlier in his Budget reply. Gadkari wrote about it to Sitharaman again on Wednesday. "Main issue raised by the Union is related to withdrawal of GST on life and medical insurance premiums. Both life insurance and medical insurance premiums attract a GST rate of 18 per cent . Levying GST on life insurance premium amounts to levying tax on the uncertainties of life," Gadkari wrote.

स्टेट फार्मेसी काउंसिल के रजिस्ट्रार चयन पर विवाद, जांच के आदेश जारी

रायपुर। प्राप्त समाचार के अनुसार स्टेट फार्मेसी काउंसिल के रजिस्ट्रार चयन पर फिर से विवाद गहरा गया है। गौरतलब है कि पहले छत्तीसगढ़ स्टेट फार्मेसी काउंसिल के रजिस्ट्रार पद पर कंपाउंडर देव राम साहू को बैठा दिया गया था। इसके चलते भारी विवाद हुआ। इस कारण उनकी नियुक्ति को कैंसिल कर नई नियुक्ति की गई है। अब कंपाउंडर देव राम साहू की जगह फार्मासिस्ट अश्वनी गुर्देकर को रजिस्ट्रार नियुक्त किया गया है। इसका आदेश 14 मार्च 2024 को जारी हुआ है. इस नियुक्ति पर भी विवाद होने लगा है। इंडियन फार्मासिस्ट एसोसिएशन ने नियमों को ताक पर रखकर रजिस्ट्रार की नियुक्ति करने का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि तृतीय श्रेणी कर्मचारी को स्टेट फार्मेसी काउंसिल का रजिस्ट्रार बना दिया, जबकि रजिस्ट्रार का पद द्वितीय श्रेणी पद है। बता दें कि रजिस्ट्रार की नियुक्ति मध्यप्रदेश फार्मेसी रूल 1978 और फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया के 1997 में दिये स्थाई आदेश के आधार पर की जानी है। फार्मेसी काउंसिल ऑफ इंडिया ने किसी भी स्टेट फार्मेसी कौंसिल में रजिस्ट्रार के लिए डिप्लोमा इन फार्मेसी शैक्षणिक योग्यता को न्यूनतम अहर्ता घोषित किया है, लेकिन बैचलर ऑफ फार्मेसी डिग्रीधारी उपलब्ध होने पर डिग्रीधारी को रजिस्ट्रार पद पर नियुक्त किया जाएगा। काउंसिल में वर्तमान में पदस्थ रजिस्ट्रार अश्वनी गुर्देकर की नियुक्ति रद्द करने की मांग करते हुए स्वास्थ्य सचिव से शिकायत की गई है। स्वास्थ्य सचिव ने मामले की जांच कर कार्रवाई किए जाने की बात कही है।

औषधि निरीक्षक के ड्रग तस्करों से संबंधों का पर्दाफाश, एसटीएफ ने की रेड

बठिंडा: औषधि निरीक्षक के ड्रग तस्करों से संबंधों का पर्दाफाश हुआ है। इसके चलते एसटीएफ ने औषधि निरीक्षक के कई ठिकानों पर छापेमारी की है। जांच में सामने आया कि पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में चल रहे ड्रग्स तस्करी के नेटवर्क के तार ड्रग इंस्पेक्टर शीशन मित्तल से जुड़े हुए थे।

एसटीएफ ने की छापेमारी : पंजाब डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि एसटीएफ की टीम ने पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में कुल 13 स्थानों पर रेड की। एसटीएफ की पांच अलग-अलग टीमों ने बठिंडा, मौड़ मंडी, गिद्दड़बाहा, मोहाली, हरियाणा के फतेहाबाद में और चंडीगढ़ में अलग-अलग जगहों पर रेड की। इस दौरान एसटीएफ ने 9.31 लाख रुपये नकदी, 260 ग्राम सोना और 515 दिरहम के रूप में विदेशी मुद्रा जब्त की। इस रेड में कुछ अहम दस्तावेज भी बरामद हुए, जिससे यह साबित होता है कि आरोपी ड्रग इंस्पेक्टर शीशन मित्तल ने ड्रग्स तस्करी के इस नेटवर्क के जरिये कमाए पैसों से चल-अचल संपत्ति बनाई है। आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा-29 और 59 के तहत केस दर्ज किया गया है। एसटीएफ एडीजीपी नीलाभ किशोर ने बताया कि आरोपी ड्रग इंस्पेक्टर पंजाब और हरियाणा की जेल में बंद कई ड्रग्स तस्करों के संपर्क में था। कई अवैध फार्मासियुटिकल्स और मेडिकल स्टोरों को यह प्रतिबंधित दवाइयां और ड्रग्स मुहैया कराता था। उसके 24 बैंक खातों को फ्रीज किया है, जिसमें 6.69 करोड़ रुपये की ड्रग मनी जमा करा रखी है।

44 फार्मास्युटिकल कंपनियां व मेडिकल स्टोर शिकंजे में : जेल में बंद तस्करों की मदद से पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में ड्रग्स नेटवर्क को ऑपरेट कर रहे आरोपी ड्रग इंस्पेक्टर शीशन मित्तल के मामले में स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) के हाथ कई बड़े सुराग लगे हैं। एसटीएफ को पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में 44 फार्मास्युटिकल्स और मेडिकल स्टोर से जुड़े दस्तावेज बरामद हुए हैं, जोकि ड्रग इंस्पेक्टर के इस नेटवर्क में प्रमुख रूप से शामिल हैं।

सरकार ने ऊंची कीमतों पर दवाएं बेचने के लिए दवा निर्माताओं से 72.73 करोड़ रुपये वसूले

नई दिल्ली: प्राप्त समाचार के अनुसार केंद्र सरकार ने तय कीमत से ज्यादा कीमत पर दवाएँ बेचने वाली कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की है । केंद्रीय रसायन और उर्वरक राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने मंगलवार को एक सवाल के जवाब में राज्यसभा को बताया कि वर्ष 2023-24 में सरकार ने उपभोक्ताओं से ज्यादा पैसे वसूलने वाली कंपनियों से 72. 73 करोड़ रुपये वसूले हैं। औषधि मूल्य नियंत्रण (डीपीसीओ), 2013 के प्रावधानों के अनुसार, अनुसूचित दवाओं की अधिकतम कीमतों को राष्ट्रीय औषधि मूल्य निर्धारण प्राधिकरण (एनपीपीए) द्वारा पिछले कैलेंडर वर्ष के थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) के आधार पर हर साल 1 अप्रैल को या उससे पहले संशोधित किया जाता है। सरकार हर साल 1 अप्रैल को संशोधित कीमतों को अधिसूचित करती है। एनपीपीए द्वारा निर्धारित मूल्य का विवरण एनपीपीए की वेबसाइट पर उपलब्ध कराया गया है। डीपीसीओ, 2013 के अंतर्गत अनुसूचित और गैर-अनुसूचित दोनों दवाएं शामिल हैं। गैर-अनुसूचित फॉर्मूलेशन (ब्रांडेड या जेनेरिक) के मामले में, डीपीसीओ, 2013 के अनुसार, कोई भी निर्माता पिछले 12 महीनों के दौरान अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) में एमआरपी के 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि नहीं कर सकता है। हालांकि, निर्माता वाणिज्यिक विचारों और बाजार की गतिशीलता के आधार पर अनुसूचित और गैर-अनुसूचित दवाओं के लिए कीमतों में वृद्धि नहीं करने का विकल्प चुन सकता है। डीपीसीओ की अनुसूची- में सूचीबद्ध फॉर्मूलेशन को अनुसूचित फॉर्मूलेशन के रूप में परिभाषित किया गया है, जबकि अनुसूची- में शामिल नहीं किए गए फॉर्मूलेशन को गैर-अनुसूचित फॉर्मूलेशन के रूप में परिभाषित किया गया है। औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1945 के तहत औषधि निर्माताओं को विनिर्माण लाइसेंस की शर्तों और अच्छे विनिर्माण अभ्यासों की आवश्यकताओं का अनुपालन करना आवश्यक है।

आयुर्वेदिक क्लीनिक पर रेड कर फर्जी डॉक्टर को किया अरेस्ट

मेजा, प्रयागराज: आयुर्वेदिक क्लीनिक पर छापेमारी कर एक फर्जी डॉक्टर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने इलाकाई कोतवाली क्षेत्र के कोटहा गांव में बिना डिग्री के क्लीनिक चलाने वाले फर्जी डॉक्टर को गिरफ्तार किया है। आयुर्वेदिक स्वास्थ्य विभाग की टीम ने छापेमारी करते हुए अवैध क्लीनिक का भंडाफोड़ किया। छापेमारी के दौरान टीम ने काफी मात्रा में नकली दवाइयां जब्त की। क्लीनिक में मौके पर फर्जी डॉक्टर मरीज का इलाज करते हुए मिला। पुलिस ने स्वास्थ्य विभाग के डॉक्टर की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है। क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी शारदा प्रसाद ने पुलिस शिकायत में बताया कि उनको महानिदेशक आयुष मानवेंद्र सिंह से व्हाट्सएप पर शिकायत मिली थी। सूचना के तहत एसडीएम मेजा दशरथ कुमार तथा पुलिस चौकी मेजा रोड के उप निरीक्षक सचिन गुप्ता, अमित गुप्ता, अखिलेश यादव, चिकित्साधिकारी डॉ. मनोज कुमार सिंह, डॉ दीपक सोनी एवं सहायक मुक्तेश मोहन शुक्ला सहित रहमत दवाखाना कोटहा के पते पर औचक निरीक्षण किया गया।

कई बोरियों में दवाइयां मिली : दबिश के दौरान मौके पर सद्दाम हुसैन पुत्र बुद्ध हुसैन 15 मलाहीपुर बिलारी देहात मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश द्वारा कुसुम देवी पत्नी धर्मराज निवासी नेवढिया का इलाज करते हुए पाया गया। क्लीनिक में कई बोरियों में दवाइयां भी मिली। टीम के मांगने पर सद्दाम हुसैन चिकित्सा संबंधी कोई योग्यता एवं डिग्री नहीं दिखा सका। मौके पर कई डिब्बों में संदिग्ध पाउडर पाया गया, जिसे सद्दाम आयुर्वेदिक दवा बताया।

बुखार और इन्फेक्शन समेत 70 जरूरी दवाएं हुई सस्ती

नई दिल्ली: बुखार और इन्फेक्शन समेत 70 जरूरी दवाएं सस्ती हो गई हैं। इनके साथ ही 4 फॉर्मुलेशन के दाम भी तय कर दिए गए हैं। जिन दवाओं के दाम कम किए गए हैं, उनमें बुखार, इन्फेक्शन, डायरिया, मांसपेशियों के दर्द, एंटीबायोटिक्स, डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, हार्ट समेत कई लाइफ स्टाइल बीमारियों में इस्तेमाल होती हैं। गौरतलब है कि सरकार ने जून 2024 में भी कई जरूरी दवाओं के दाम कम कर दिए थे। एनपीपीए ने जून में हुई अपनी 124वीं बैठक में आम इस्तेमाल की 54 दवाओं और 8 स्पेशल दवाओं के दाम कम किए थे। इनमें एंटीबायोटिक, मल्टी विटामिन, डायबिटीज और हार्ट से जुड़ी दवाएं शामिल थी. इसके अलावा कैंसर जैसी बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाएं भी सस्ती की गई थीं।

क्या है एनपीपीए : एनपीपीए दवा रेग्युलेटर है। यह देश में दवाओं की उपलब्धता, कीमतों को कंट्रोल करने और दवा में मिलावट पर रोक जैसे प्रमुख काम करता है। एनपीपीए का गठन 1997 में रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय के अंतगर्त किया गया था।

अवैध दवाओं से लदा ट्रक जब्त, चालक गिरफ्तार

नवादा (बिहार): प्रतिबंधित कफ सिरप से भरा ट्रक जब्त किया गया है और उसके चालक को गिरफ्तार कर लिया है। यह कार्रवाई उत्पाद विभाग की टीम ने बिहार-झारखंड सीमा पर गोविंदपुर चेक पोस्ट पर की। मौके से ट्रक के साथ दो सौ कार्टून प्रतिबंधित कफ सिरप जब्त किया गया है। उत्पाद अधीक्षक अरूण कुमार मिश्रा ने बताया कि प्रतिबंधित कफ सिरप तस्करी की गुप्त सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर झारखंड-गोविंदपुर सड़क पर एक ट्रक को रोका। तलाशी लेने पर उसमें प्रतिबंधित कफ सिरप बरामद हुआ। ट्रक में 200 कार्टून यानि लगभग 2000 लीटर कफ सिरप जब्त किया गया और उसके चालक को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार ट्रक चालक अस्कारनपुर गांव निवासी धर्मनाथ राय का पुत्र अखिलेश राय बताया गया है।

चालक से पूछताछ में पता चला कि यह सामान भगवानपुर के ग्रामीण विश्वनाथ राय के पुत्र मनोज राय द्वारा ट्रक में लोड कर पटना लाने के लिए बोला था। वहीं, चालक के पास आनंद ड्रग एजेन्सी के साथ ही बेगूसराय का 20 अलग-अलग जगहों का बिल पेपर मिला है। मतलब यह कि आनंद ड्रग एजेंसी का ही एक सौ लीटर का 20 अलग-अलग बिलिंग दिखलाया। उन्होंने बताया कि बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के अंतर्गत कोडिंन एक मादक पदार्थ अधिसूचित है। इसका इस्तेमाल शराब के विकल्प के रूप में बिक्री कर किया जाता है। गिरफ्तार चालक अखिलेश राय तथा कफ सिरप लोड करने वाला मनोज राय एवं आनंद ड्रग एजेंसी बेगूसराय के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की गई है।

मेडिकल स्टोर पर दबिश, दवा बिक्री का रिकॉर्ड नहीं रखने पर दुकान सील

चम्बा: मेडिकल स्टोर पर दबिश कर दवा बिक्री का रिकॉर्ड जांचा गया। रिकार्ड सही नहीं मिलने पर दवा दुकान को सील कर दिया गया। यह कार्रवाई स्वास्थ्य विभाग ने साहो में स्थित मेडिकल स्टोर पर की। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने दवा दुकानदार की कार की तलाशी ली तो उसमें कोडिन कफ सिरप की आठ बोतल मिलीं। टीम ने इन बोतलों और कार को जब्त कर लिया है। बरामद दवा की गुणवत्ता जांचने के लिए सैंपल भी लिए हैं। अधिकारियों ने बताया कि स्टोर संचालक अपनी दुकान में नारकोटिक और साइकोट्रोपिक दवा भारी मात्रा में रखकर बेच रहा था। इन दवाइयों की खरीद और बिक्री का उसके पास रिकॉर्ड नहीं था। इन दवाइयों की खरीद और बिक्री का पूरा रिकॉर्ड रखना अनिवार्य है। दवा निरीक्षक को निर्देश दिए गए हैं कि वे इन दवाओं की बिक्री का पूरा रिकॉर्ड स्वास्थ्य विभाग को उपलब्ध करवाएं, जबकि उसकी दवा दुकान को सील कर दिया गया है।

फार्मा कंपनी का भंडाफोड़, दवाओं में हो रहा गोलमाल

विक्रेता सागर/रीवा: प्राप्त समाचार के अनुसार नशा सप्लाई करने वाली फार्मा कंपनी का भंडाफोड़ किया गया है। पुलिस ने आरोपी थोक दवा विक्रेता व उसके पुत्र को गिरफ्तार किया गया है। जांच में सामने आया कि आरोपियों ने रीवा जोन में करोड़ों रुपये कीमत की नशीली सिरप सप्लाई की। फिलहाल पुलिस मामले की गहनता से जांच में जुटी है। चोरहटा पुलिस ने एक तस्कर के पास से 800 शीशी नशीली सिरप जब्त की थी। तस्कर से पूछताछ में सागर की टाटा फार्मा कंपनी का नाम सामने आया। उसने सिरप की सप्लाई की थी। पुलिस ने फर्म के बारे में छानबीन की तो पता चला कि उसने भारी मात्रा में नशीली सिरप रीवा जोन में सप्लाई की है। इस सप्लाई चेन को तोडने के लिए स्पेशल टीम गठित की और सागर में फर्म के आफिस में दबिश दी। मौके पर मौजूद फर्म संचालक अरविंद जैन व उसके पुत्र सीटीजन उर्फ सीत्तू जैन को हिरासत में लिया गया। जांच में पता चला कि इस फर्म ने आठ माह में डेढ़ से दो करोड़ रुपए की नशीली सिरप रीवा सहित आसपास के जिलों में सप्लाई की थी और इसके बिल उनके पास नहीं मिले। पूछताछ में कई तस्करों के नाम सामने आए और पुलिस ने उनको भी घेरे में लिया है। छापामार कार्रवाई के दौरान डीएसपी मैहर राजीव पाठक, एसडीओपी त्योंथर उदित मिश्रा, सीएसपी रीतु उपाध्याय, थाना प्रभारी श्रंगेश सिंह राजपूत शामिल रहे। इनके अलावा उपनिरीक्षक शैल यादव, उपनिरीक्षक कन्हैया बघेल, उपनिरीक्षक संजीव शर्मा, उपनिरीक्षक रामनरेश तिवारी, उपनिरीक्षक इंद्रबली सिंह, उपनिरीक्षक विजय सिंह का भी सहयोग रहा।

ब्रेन ट्यूमर की नई दवा बच्चों में इस कैंसर के इलाज के लिए रामबाण

नई दिल्ली: प्राप्त समाचार के अनुसार ब्रेन ट्यूमर की नई दवा बच्चों में कैंसर के इलाज के लिए रामबाण सिद्ध होगी। ऐसा दावा किया गया है। जानलेवा ब्रेन ट्यूमर मेडुलोब्लास्टोमा के इलाज की यह नई दवा है। बताया गया है कि यह दवा पैंक्रियाटिक कैंसर के इलाज के लिए विकसित की गई थी। अब इसे बच्चों में होने वाली घातक बीमारी के इलाज में भी असरदार माना जा रहा है। इस दवा का नाम ट्रिप्टोलाइड है और इसे चीनी दवा से बनाया गया है। यह दवा मेडुलोब्लास्टोमा के प्रीक्लिनिकल मॉडल्स में बेहद कारगर साबित हुई है। खास बात यह है कि ट्रिप्टोलाइड दवा का ब्रेन ट्यूमर के इलाज में इस्तेमाल करने पर कोई साइड इफेक्ट भी नहीं सामने आया है। जर्नल ऑफ क्लिनिकल इन्वेस्टिगेशन में यह स्टडी प्रकाशित हुई है। पता चला है कि ट्रिप्टोलाइड दवा ब्रेन ट्यूमर से पीडित बच्चों का जीवन बढ़ा सकती है और कैंसर को नष्ट करने में मददगार है। दवा का एक विशेष रूप मिनेलाइड रीढ़ की हड्डी के पतले ऊतकों में कैंसर कोशिकाओं के प्रसार को कम करने में मददगार हो सकता है। ट्रिप्टोलाइड उन ट्यूमर्स में अधिक प्रभावी हो सकती है, जिनमें एमवाईसी नामक ऑन्कोजीन या जीन पाया जाता है। यह जीन कैंसर के उत्पन्न होने की क्षमता को दर्शाता है। साउथ कैरोलिना मेडिकल यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर जेजाबेल रोड्रिगेज ब्लैंको ने यह रिसर्च की है। इसमें ट्रिप्टोलाइड और मिनेलाइड ड्रग पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इसके अलावा ट्रिप्टोलाइड की एमवाईसी नामक एक ऑन्कोजीन या जीन को टागरेट करने की क्षमता की खोज की गई।

मेडिकल स्टोर की आड़ में चल रहा क्लीनिक सील

पिथौरागढ़: प्राप्त समाचार के अनुसार मेडिकल स्टोर की आड़ में चलाए जा रहे क्लीनिक को सील किया गया है और तीन स्टोर के लाइसेंस कैंसिल कर दिए हैं। यह कार्रवाई स्वास्थ्य विभाग, एसओजी और पुलिस टीम ने संयुक्त रूप से की। संयुक्त टीम ने पिथौरागढ़ नगर के 10 मेडिकल स्टोरों का निरीक्षण किया। जांच के दौरान तीन मेडिकल स्टोरों में अनियमितताएं पाई गईं। इसके चलते तीनों के लाइसेंस कैंसिल कर दिए गए। बिण स्थित एक मेडिकल स्टोर संचालक दुकान की आड़ में क्लीनिक चला रहा था। उसके लाइसेंस की अवधि दो माह पहले समाप्त हो गई थी। टीम ने मौके पर ही मेडिकल स्टोर को सीज कर दिया और सीएमओ को रिपोर्ट भेज दी है। स्वास्थ्य विभाग की इस कार्रवाई से मेडिकल स्टोर संचालकों में हडकंप मचा रहा। आसपास के कई दवा दुकानदार अपने स्टोर बंद कर मौके से फरार हो गए। छापामार टीम में औषधि निरीक्षक मीनाक्षी बिष्ट, एसएचओ राजेश यादव, एसओजी प्रभारी मनोज पांडे सहित कई पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

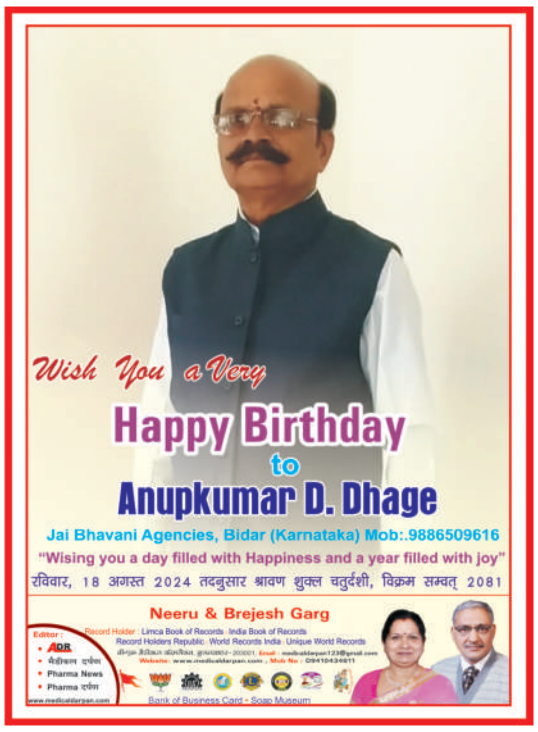

मोटापा और वसायुक्त भोजन स्वस्थ और समृद्ध भारत के लिए खतरा

नई दिल्ली: सोशल मीडिया का अत्यधिक उपयोग, स्क्रीन टाइम, गतिहीन आदतें और अस्वास्थ्यकर भोजन न केवल मधुमेह, हृदय रोग और कुछ प्रकार के कैंसर जैसे गैर-संचारी रोगों के जोखिम को बढ़ाते हैं। आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 ने चेतावनी दी है कि भारत की कामकाजी आयु वर्ग की आबादी में अत्यधिक प्रचलित इन जीवनशैली से जुड़े कारकों का घातक मिश्रण देश की आर्थिक क्षमता के लिए भी खतरा पैदा करता है। सर्वेक्षण में कहा गया है, भारत की कामकाजी आयु वर्ग की आबादी को लाभकारी रोजगार पाने के लिए, उन्हें कौशल और अच्छे स्वास्थ्य की आवश्यकता है। साथ ही कहा गया है कि निजी क्षेत्र ने आदतों के इस जहरीले मिश्रण में पर्याप्त योगदान दिया है। सर्वेक्षण में भारतीय व्यवसायों को पारंपरिक जीवनशैली और व्यंजनों को अपनाने की सलाह दी गई है। सर्वेक्षण में कहा गया है, ष्भारत की पारंपरिक जीवनशैली, भोजन और व्यंजनों ने दिखाया है कि कैसे स्वस्थ तरीके से और प्रकृति और पर्यावरण के साथ सामंजस्य बिठाकर रहा जाए...भारतीय व्यवसायों के लिए उन्हें अपनाना व्यावसायिक रूप से समझदारी है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद द्वारा भारतीयों के लिए प्रकाशित नवीनतम आहार संबंधी दिशा-निर्देशों के अनुसार, भारत में लगभग 56 प्रतिशत रोग अस्वास्थ्यकर आहार के कारण हैं। सर्वेक्षण में इस डेटा का हवाला दिया गया है।

दवा कारोबारी के पुत्र की हत्या के विरोध में उतरे व्यवसायी

भागलपुर (बिहार): प्राप्त समाचार के अनुसार दवा बाजार बंद रखा गया है। दवा व्यवसायी के पुत्र रौनक केडिया की हत्या के विरोध में शहर के बाजार बंद हैं। ईस्टर्न बिहार चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के नेतृत्व में विभिन्न संगठनों ने बीते दिवस बैठक की थी। बैठक में शुक्रवार को संपूर्ण बाजार बंद करने का आह्वान किया गया था। दवा व्यवसायियों ने पुलिस प्रशासन की लापरवाही पर सवाल उठाया। भागलपुर केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के आह्वान पर शहर की 1600 से अधिक दवा दुकानें बंद रहीं।

पुलिस प्रशासन के रवैये पर सवाल : बैठक में चेंबर महासचिव सीए पुनीत चौधरी ने कहा कि इस वारदात से बाजार क्षेत्र के सभी दवा कारोबारियों एवं अन्य व्यवसाय से जुड़े लोगों में खौफ एवं रोष व्याप्त है। पुलिस प्रशासन को शहर की विधि व्यवस्था को लेकर मुस्तैदी से कार्य करना चाहिए। ऐसा नहीं हो पाने के कारण ही ऐसी घटनाएं देखने को मिल रही हैं। शहर में पेट्रोलिंग की व्यवस्था को बढ़ाने की मांग उठाई गई।

वारदात के बाद दवा दुकानें रहीं बंद : बता दें कि आत्माराम मेडिकल्स के संचालक बलराम केडिया के पुत्र रौनक केडिया की हत्या हो गई थी। इसके विरोध में गुरुवार को भागलपुर केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के आह्वान पर शहर की 1600 से अधिक दवा दुकानें बंद रहीं। मरीज व उनके परिजन दवा के लिए भटकते रहे। इसके चलते करीब आठ करोड़ का कारोबार प्रभावित हुआ बताया जा रहा है। उधर, रौनक केडिया की हत्या मामले में एसएसपी का कहना है कि पुलिस टीम छानबीन में जुटी है।

केरल में 14 वर्षीय लड़का अमीबिक मेनिंगोएन्सेफेलाइटिस से ठीक हुआ

तिरुवनंतपुरम: ठीक होने के एक दुर्लभ मामले में, केरल में एक 14 वर्षीय लड़का जो अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस (दिमागी बुखार) के इलाज के लिए गया था, ठीक हो गया है, अधिकारियों ने कहा। बच्चा राज्य के कोझीकोड जिले का मूल निवासी है। अमीबिक इंसेफेलाइटिस से पीड़ित व्यक्ति देश में शायद ही कभी इस बीमारी से ठीक हो पाता है। दुनिया में केवल 11 लोग ही इस बीमारी से ठीक हुए हैं। बच्चे को 97 प्रतिशत मृत्यु दर वाली बीमारी से वापस जीवन में लाया गया। केरल की स्वास्थ्य मंत्री वीना जॉर्ज ने समन्वय और उपचार का नेतृत्व करने के लिए पूरी टीम की सराहना की। राज्य में अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस की सूचना मिलने की स्थिति में स्वास्थ्य विभाग ने मंत्री के नेतृत्व में एक बैठक की और विशेष एहतियाती निर्देश जारी किए। इसके आधार पर, मेलडी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के स्वास्थ्य कर्मियों ने संदेह व्यक्त किया कि बच्चे के लक्षण मस्तिष्क ज्वर के हो सकते हैं और उन्हें इसके खतरों के बारे में बताया। उसी दिन, बच्चे को मिर्गी का दौरा पड़ा और उसे कोझिकोड के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। बच्चे के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा विशेष रूप से मिल्टेफोसिन दवा पहुंचाई गई। तीन सप्ताह के उपचार के बाद वह ठीक हो गया। यह बीमारी का जल्दी पता लगाने और बच्चे को सभी उपलब्ध उपचार प्रदान करने के कारण संभव हुआ। 5 जुलाई को मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन की अध्यक्षता में एक विशेष बैठक आयोजित की गई थी और दुर्लभ बीमारी अमीबिक इंसेफेलाइटिस की रिपोर्ट के मामले में, उन्नत विषाणु विज्ञान संस्थान के सहयोग से प्रारंभिक चरण में रोग की पुष्टि करने के लिए आणविक परीक्षण प्रणाली तैयार करने का प्रस्ताव दिया गया था।

एक व्यक्ति ने दूसरे ब्लड ग्रुप वाली पत्नी को किडनी देकर जीवन दिया

पुणे: जब पुणे की 40 वर्षीय गृहिणी के पति ने उसकी जान बचाने के लिए अपनी किडनी दान करने की पेशकश की, तो उनके रक्त समूह का मेल न होना प्रमुख बाधाओं में से एक था। हालांकि, सावधानीपूर्वक योजना और दवा के इस्तेमाल से डॉक्टरों को न केवल प्रत्यारोपण सर्जरी करने में मदद मिली, बल्कि प्राप्तकर्ता के शरीर द्वारा अंग अस्वीकृति को भी रोकने में मदद मिली, जो ऐसे मामलों में एक बड़ी चिंता का विषय है। पुणे के मणिपाल अस्पताल में उनकी बानर शाखा में प्रत्यारोपण हुआ। 2015 में महिला को सिस्टमिक ल्यूपस एरिथेमेटोसस (एक ऑटो-इम्यून बीमारी) और ल्यूपस नेफ्राइटिस (एक किडनी रोग) का पता चला था। इसके अलावा, पांच अलग-अलग प्रकार की दवाओं की कोशिश करने के बावजूद महिला में उच्च रक्तचाप अनियंत्रित रहा। 2020 में, हर्पीज जोस्टर और मधुमेह की शुरुआत के साथ महिला की सेहत और खराब हो गई। हर्पीज जोस्टर एक वायरल संक्रमण है जो त्वचा पर दर्दनाक दाने या छाले के प्रकोप का कारण बनता है। अप्रैल 2021 तक, उनमें किडनी फेलियर के शुरुआती लक्षण विकसित हो गए थे, जो तेजी से बढ़ता गया, जिसका समापन 2023 तक डायलिसिस की आवश्यकता के रूप में हुआ। जैसे-जैसे उनकी स्वास्थ्य स्थिति बिगड़ती गई, डॉक्टरों ने तत्काल किडनी ट्रांसप्लांट की सलाह दी। यह तब हुआ जब उनके पति (43) ने अपनी एक किडनी दान करने की पेशकश की। जब दंपति के खून की जांच की गई, तो पाया गया कि पति का ब्लड ग्रुप। पॉजिटिव था, जबकि पत्नी का। पॉजिटिव था। इसके अलावा, पति को ट्रिपल रीनल आर्टरीज थी ट्रांसप्लांट करने वाले डॉक्टरों में से एक यूरोलॉजिस्ट डॉ. आनंद धरस्कर ने कहा, इस मामले में ट्रांसप्लांट करना जटिल था क्योंकि डोनर के पास तीन रीनल आर्टरीज थीं, जबकि प्राप्तकर्ता के पास केवल एक थी। डोनर के मामले में तीनों धमनियों को सिलना मुश्किल था। इसलिए, हमने किडनी निकालने के लिए लेप्रोस्कोपिक सर्जरी की, जो कम आक्रामक है, जल्दी ठीक होती है और डोनर के लिए कॉस्मेटिक रूप से अधिक बेहतर है। केवल एक धमनी के साथ प्राप्तकर्ता में किडनी ट्रांसप्लांट करना भी उतना ही कठिन था, जिसमें उचित रक्त प्रवाह सुनिश्चित करने के लिए सटीक संवहनी पुनर्निर्माण की आवश्यकता थी।

ब्रिटेन की एनएचएस ने पश्चिम बंगाल के अस्पतालों से दूरस्थ नवजात देखभाल तकनीक उधार ली

कोलकाता: ब्रिटेन की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस), जो दुनिया भर में सबसे सफल स्वास्थ्य सेवाओं में से एक है, जिसे देखभाल के उच्च मानक और वहनीयता के लिए जाना जाता है, ने बंगाल के अस्पतालों से प्रेरणा ली है, कोलकाता के एक डॉक्टर की बदौलत, जिनके राज्य के स्वास्थ्य केंद्रों में काम करने के अनुभव ने अब कैम्ब्रिज, इंग्लैंड के एक अस्पताल द्वारा संचालित दूरस्थ नवजात देखभाल के लिए एक उपयोगी प्रयोग का आधार बनाया है। एनएचएस, जो पहले से ही लोकेंट्स नामक प्रणाली को निधि देता है, ने अगले वर्ष इस योजना को निधि देने पर सहमति व्यक्त की है। पश्चिमी और दक्षिणी भारत के कुछ अस्पतालों में जल्द ही लोकेंट्स की शुरुआत की जा सकती है। कोलकाता के रहने वाले अरुणव धर, जो आरजी कर मेडिकल कॉलेज से 2000 बैच के एमबीबीएस हैं और जिन्होंने यूके में इस प्रणाली की शुरुआत की थी, ने कहा कि राज्य के अस्पतालों में इस प्रणाली को शुरू करने के लिए बंगाल सरकार के साथ बातचीत चल रही है। हम यहां स्वास्थ्य अधिकारियों से बात कर रहे हैं ताकि कोलकाता और बंगाल के अस्पतालों में इस प्रणाली को लागू किया जा सके, धर ने रविवार को कोलकाता में 'मेड-फ्यूजन ख ब्रिजिंग ईस्ट एंड वेस्ट इन हेल्थकेयर एक्सीलेंस' नामक एक संगोष्ठी में कहा। 2010 में यूके चले जाने के बाद, धर ने लंदन में रहने वाले एक अन्य कोलकातावासी - तकनीकी विशेषज्ञ रणदीप चटर्जी, जो एक सीरियल उद्यमी और एआई विशेषज्ञ हैं - के साथ मिलकर तकनीक विकसित की और एक दूरस्थ नवजात देखभाल प्रणाली के लिए धन सुरक्षित किया, जिससे अब कैम्ब्रिज और पूर्वी यूके के एक बड़े क्षेत्र में हजारों लोग लाभान्वित हो रहे हैं। यह प्रयोग पिछले साल कैम्ब्रिज के एडेनब्रूक अस्पताल में शुरू किया गया था। यह वास्तविक समय में दूरस्थ ऑनलाइन परामर्श पर आधारित है और इसमें एडेनब्रूक और पूर्वी ब्रिटेन के चार छोटे अस्पतालों के विशेषज्ञों के बीच ऑनलाइन वीडियो इंटरफेस शामिल हैं। इसे अगले महीने 17 अस्पतालों तक विस्तारित किया जाएगा । लोकेंट्स, यूके में NHS द्वारा अपनाई जाने वाली प्रणाली, आरजी कर मेडिकल कॉलेज से 2000 बैच के एमबीबीएस अरुणव धर और तकनीकी विशेषज्ञ रणदीप चटर्जी द्वारा विक. सित हार्डवेयर और परिष्कृत सॉफ्टवेयर पर काम करती है। बेलघरिया से आने वाले धर ने कहा, छोटे केंद्रों में एक कैमरा लगा हुआ लोकेंट्स कार्ड है जो एक तरफ 360 डिग्री और दूसरी तरफ 270 डिग्री घूम सकता है। यह बच्चे का व्यापक दृश्य प्रस्तुत करता है... यह हमें स्थानीय डॉक्टरों और नर्सों को निर्देश देने की अनुमति देता है जो हमारी वास्तविक समय की निगरानी में कैमरे पर काम कर सकते हैं। इस प्रणाली ने उन बच्चों की संख्या को पाँचवें हिस्से तक कम कर दिया है जिन्हें अस्पताल ले जाना पड़ता है।

एम्स के डॉक्टरों ने की अपील, समाज में अंग और ऊतक दान के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने की जरूरत

नई दिल्ली: एम्स नई दिल्ली में मृतक अंग और ऊतक दान गतिविधियों के लिए नोडल सुविधा ऑर्गन रिट्रीवल बैंकिंग ऑर्गनाइजेशन (ओआरबीओ) ने आज अंग और ऊतक दानकर्ताओं को श्रद्धांजलि देने के लिए दाता सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया। एम्स नई दिल्ली में त्वचा विज्ञान और वेनेरोलॉजी विभाग के प्रमुख प्रोफेसर कौशल कुमार वर्मा ने कहा, हर साल, हम अंगों और ऊतकों की अनुपलब्धता के कारण अंतिम चरण के अंग विफलता के कारण बड़ी संख्या में रोगियों को खो देते हैं।

हमें मिथकों और भय को दूर करना चाहिए और समाज में अंग और ऊतक दान के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करना चाहिए। उन्होंने दुख की घड़ी में इतने सारे लोगों की जान बचाने के नेक काम के लिए दानकर्ताओं और उनके परिवारों के प्रति आभार भी व्यक्त किया। यह दाता परिवारों, प्रत्यारोपण प्राप्तकर्ताओं और समारोह में उपस्थित सभी लोगों के लिए एक भावनात्मक क्षण था। 2.5 वर्षीय बच्चे के दादा-दादी, जिनके पास सबसे कम उम्र का दिल था, भी कई दाता परिवारों के साथ मौजूद थे। हमें अभी भी अपनी छोटी दिव्यांशी की याद आती है, जिसे ब्रेन डेड घोषित कर दिया गया था, वह हमारे घर की तीसरी मंजिल से गिरने के बाद गंभीर रूप से घायल हो गई थी। हम उन अन्य लोगों से अपील करते हैं, जिन्हें ब्रेन डेड घोषित किया गया है, उनके परिवार इस पहल के लिए आगे आएं। दिव्यांशी के परिवार ने कहा। अंग और ऊतक दान को बढ़ावा देने के लिए, ORBO ने आम जनता और चिकित्सा पेशेवरों के बीच बड़े पैमाने पर अंग और ऊतक प्रतिज्ञा अभियान और जागरूकता अभियान चलाए थे।

छत्तीसगढ़ के एम्स रायपुर में कार्डियक कैथीटेराइजेशन प्रयोगशाला का उद्घाटन किया

रायपुर: केंद्रीय मंत्री प्रतापराव जाधव ने छत्तीसगढ़ के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) रायपुर में एक नई कार्डियक कैथीटेराइजेशन प्रयोगशाला का उद्घाटन किया। एम्स रायपुर , जिसमें केवल एक कैथ लैब थी जो प्रति सप्ताह लगभग 25 से 30 एंजियोग्राफी करती थी, अब इस अत्याधुनिक सुविधा से लैस है और उम्मीद है कि इससे ऐसी प्रक्रियाओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि होगी , अस्पताल द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है। दूसरी लैब न केवल रोगी के प्रतीक्षा समय को कम करेगी बल्कि समय पर और कुशल हृदय देखभाल प्रदान करने की अस्पताल की क्षमता को भी बढ़ाएगी। नई लैब डीएम (डॉक्टर ऑफ मेडिसिन) कार्डियोलॉजी कार्यक्रम में मेडिकल छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण प्रशिक्षण मैदान के रूप में भी काम करेगी, जो अत्यधिक कुशल हृदय रोग विशेषज्ञों की एक नई पीढ़ी को बढ़ावा देगी, इसमें कहा गया है। केंद्रीय आयुष और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के राज्य मंत्री, जिनके साथ राज्य के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल भी थे, ने आपातकालीन शिशु रोग विभाग , ट्रॉमा और आपातकालीन विभाग और आयुष विभाग सहित प्रमुख विभागों का भी दौरा किया। विज्ञप्ति में कहा गया है कि जाधव ने एम्स रायपुर के कार्यकारी निदेशक, डीन और चिकित्सा अधीक्षक के साथ बैठक की।

नेत्रधामा और ZEISS इंडिया ने कर्नाटक में मायोपिया क्लिनिक का शुभारंभ किया

बेंगलुरु: प्राप्त समाचार के अनुसार नेत्रधाम सुपर स्पेशियलिटी आई हॉस्पिटल ने ZEISS इंडिया के साथ मिलकर कर्नाटक के जयनगर में मायोपिया क्लीनिक शुरू करने की घोषणा की है। यह क्लीनिक क्षेत्र में 15 वर्ष तक की आयु के बच्चों के व्यापक मायोपिया प्रबंधन के लिए है। नेत्रधाम सुपर स्पेशियलिटी आई हॉस्पिटल, बेंगलुरु की निदेशक और सीईओ डॉ. सुमन श्री आर ने कहा, बचपन में मायोपिया भारत में एक बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या है और आने वाले वर्षों में इसके और भी तेजी से बढ़ने की उम्मीद है। मायोपिया मास्टर जैसी विशेष क्लीनिक और तकनीकों के माध्यम से, हम माता-पिता से आग्रह करते हैं कि वे अपने बच्चों की आंखों की जांच साल में कम से कम एक बार जरूर करवाएं। मायोपिया मास्टर तकनीक मायोपिया माप के लिए एक ऑल-इन-वन डिवाइस है, जिसमें अपवर्तन, अक्षीय लंबाई और केराटोमेट्री का संयोजन किया गया है। यह मायोपिया विकास से संबंधित प्रमुख मापदंडों का तेज, संपर्क रहित माप करता है और व्यक्तिगत उपचार और परामर्श की अनुमति देता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि प्रत्येक बच्चे को सबसे प्रभावी देखभाल मिले, विज्ञप्ति में कहा गया है।

India waives clinical trial requirement for drugs approved in developed markets

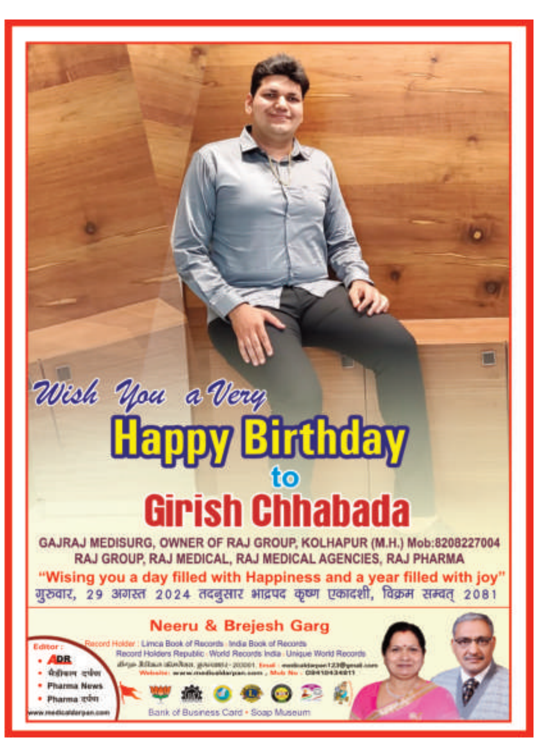

New Delhi: The government has done away with the requirement of clinical investigation for new drugs having significant therapeutic advance over the current standard care and have already got the regulatory approval in the US, UK, Japan, Australia, Canada or the European Union. Clinical trial waivers will also be considered for new drugs for rare diseases, drugs used in pandemic situations or for special defence purposes, and gene and cellular therapy products that are approved in these developed markets, the Central Drugs Standard Control Organisation (CDSCO) said in a circular on Wednesday. The decision is aimed at speeding up the availability of new drugs and medical devices in the country.

As reported by ET last week, India had previously given such waivers only for drugs and medical devices that have got regulatory clearance in the US, UK, Australia, Canada and Japan. Now the local drug regulator added the EU also to the list, people in the know told ET. Addition of the EU for the clinical trial waiver has been under consideration since 2018 when, during a meeting of the India-EU sub-commission on trade, EU officials raised the issue. After this, a proposal to include the EU for medical devices was sent to the health ministry. However, it was referred back to the CDSCO for critical review in the context of updated rules and recent notifications. The ministry also asked for deliberations in consultation with the Drug Technical Advisory Board for a fresh proposal. Rajiv Nath, forum coordinator of the Association of Indian Medical Devices Industry, told ET earlier that if India needed to give EU-based manufacturers any waiver or fast-track regulatory approval, then the country should negotiate its trade agreement with the EU on a reciprocal basis rather than simply conceding and amending its Medical Devices Rules.

नेपाल में भारत की अनुदान सहायता से निर्मित अस्पताल वार्ड भवन का उद्घाटन किया

काठमांडू: नेपाल के कावरेपालनचौक जिले में भारत सरकार की अनुदान सहायता से निर्मित एक अस्पताल वार्ड भवन का उद्घाटन किया गया, अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। धुलीखेल अस्पताल के वार्ड भवन का उद्घाटन यहां भारतीय दूतावास के प्रथम सचिव अविनाश कुमार सिंह ने किया। समारोह में धुलीखेल नगर पालिका के मेयर और अन्य सरकारी अधिकारी भी शामिल हुए। भारतीय दूतावास की एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, भवन के निर्माण के लिए नेपाल-भारत विकास सहयोग से धन जुटाया गया था। बयान में कहा गया है कि नए वार्ड भवन से नेपाल में मरीजों के लिए गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचा और बेहतर वातावरण प्रदान करके स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ाने की उम्मीद है।

डीसीजीआई स्वीकृत विषाक्तता डेटा को स्वीकार करेगा

नई दिल्ली: देश में दवाओं की उपलब्धता में तेजी लाने के लिए भारत के औषधि विनियामक प्राधिकरण ने नई दवाओं, अनुवर्ती दवाओं और निश्चित खुराक संयोजनों (एफडीसी) की समीक्षा के लिए अन्य देशों के विनियामक प्राधिकरणों द्वारा पहले से तैयार और स्वीकार किए गए प्रीक्लिनिकल विषाक्तता डेटा को मान्यता देने का फैसला किया है। अन्य देशों में तैयार किए गए पशु विषाक्तता डेटा को स्वीकार किए जाने की संभावना है, और नियामक डेटा की गुणवत्ता और उस प्रयोगशाला की साख के आधार पर भारत में केस-टू-केस आधार पर नए परीक्षण की मांग नहीं कर सकता है, जहां से ऐसा डेटा तैयार किया गया है। हालांकि, यह जैविक और जांच नई दवाओं के लिए लागू नहीं होगा, नियामक ने कहा। इसने यह भी कहा कि फॉर्मूलेशन में अस्वीकृत एक्सिपिएंट्स के उपयोग के लिए प्रासंगिक सुरक्षा डेटा की आवश्यकता होगी।

Pharma News August 2024_Layout 2 8/11/2024 8:31 PM Page 7

बैठक

स्वार केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन स्वार द्वारा एक मीटिंग का आयोजन सालिम फार्मेसी पर किया गया जिसमें फार्मा ट्रेडर्स रामपुर के जिला अध्यक्ष श्री दीपक शर्मा जी और वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष श्री खुर्शीद इकराम उपस्थित रहे तथा मीटिंग में जिला अध्यक्ष श्री दीपक शर्मा जी द्वारा सभी केमिस्ट साथियों को अवगत कराया गया की जिले के सभी केमिस्ट बंधु अपने-अपने मेडिकल स्टोर पर लाइसेंस नंबर अंकित करें तथा आने वाली परेशानी से बचें वरिष्ठ जिला उपाध्यक्ष खुर्शीद इकराम (जाकिर खान) ने सभी को बताया कि जिन केमिस्ट साथियों के फूड लाइसेंस नहीं बने हैं वह सभी अपने अपने फूड लाइसेंस बनबालें तथा जिन साथियों के फूड लाइसेंस रिन्यूअल होना है अपने लाइसेंस रिन्यूअल करा ले तथा आगे जिला खाद्य विभाग द्वारा चेकिंग की कार्रवाई की जा सकती है जिसमें फूड लाइसेंस नहीं मिलने पर मुकदमा कायम हो सकता है महामंत्री मोहम्मद तारिक द्वारा सभी साथियों को कहां गया की अपने-अपने ड्रग लाइसेंस अथवा फूड लाइसेंस संबंधित किसी भी काम के लिए आप मुझसे संपर्क कर सकते हैं। तथा फूड लाइसेंस बनवाने अथवा रिन्यूअल कराने के लिए एक कैंप का आयोजन किया जा रहा है जो दिनाक 09 अगस्त से शुरू हो कर दिनाक 11 अगस्त तक रहेगा तथा आप जत्प्व डम्क्प्बाः HALL SWAR पर अपने डॉक्यूमेंट जिसमें ड्रग लाइसेंस की कॉपी,आधार कार्ड की कॉपी, पासपोर्ट साइज एक फोटो दे कर अपना नया फूड लाइसेंस अथवा फूड लाइसेंस रिन्यूअल करा सकते है। इसके बाद फूड इंस्पेक्टर द्वारा फूड लाइसेंस न होने पर कार्यवाही होने पर संगठन की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। इसके बाद संगठन के लिए कार्य करने की भावना और लगन को देखते हुए सभी केमिस्ट साथियों द्वारा मोहम्मद सालिम को स्वार केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन का संगठन मंत्री बनाने का निर्णय लिया गया और सभी केमिस्ट साथियों द्वारा प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया इस निर्णय पर फूल मालाऐं पहनकर मोहम्मद सालिम को बधाई दी गई

कोरोनिल मामले में पतंजलि को दिल्ली हाईकोर्ट ने दिए ये आदेश

नई दिल्ली: कोरोनिल मामले में पतंजलि को दिल्ली हाईकोर्ट ने सभी दावों को वापस लेने का आदेश जारी किया है। कोरोना महामारी के दौरान लाखों लोगों की मौत के लिए एलोपैथी डॉक्टर्स को दोषी ठहराने और पतंजलि की कोरोनिल दवा को इलाज के रूप में बढ़ावा देने के मामले को लेकर ये आदेश दिया गया है। गौरतलब है कि रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन ने दिल्ली हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की थी और बाबा रामदेव की पंतजलि आयुर्वेद कंपनी की दवा कोरोनिल को कोरोना-19 का शर्तिया इलाज होने का दावा करने पर आपत्ति जताई थी। बाबा रामदेव ने कहा था कि कोरोनिल सिर्फ इम्युनिटी बूस्टर नहीं, बल्कि कोविड-19 ठीक करने की दवा है। दिल्ली हाईकोर्ट में बाबा रामदेव, आचार्य बालकृष्ण और पतंजलि आयुर्वेद के खिलाफ साल 2021 में यह याचिका दाखिल की गई थी।

इस याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने अपना निर्णय सुनाया। याचिका में कहा गया था कि रामदेव ने कोरोनिल को कोरोना की दवा बताते हुए कई भ्रामक दावे किए हैं, जबकि उन्हें कोरोनिल के लिए सिर्फ इम्यूनो-बूस्टर होने का लाइसेंस मिला था। आईएमए (इंडियन मेडिकल एसोशिएन) ने कोर्ट को बताया था कि बाबा रामदेव लोगों को वैक्सीनेशन न लगवाने के लिए और एलोपैथी को स्टूपिड साइंस कह रहे थे।

अस्पताल की लापरवाही से हुई मरीज की मौत

रायपुर: अस्पताल की लापरवाही से मरीज की मौत होने का मामला प्रकाश में आया है। इसके चलते पंडरी स्थित इंदिरा आईवीएफ हॉस्पिटल को सील कर दिया गया है। गौरतलब है कि अस्पताल में मरीज की मौत होने पर उसके परिजनों ने बवाल कर दिया था। इस मामले में जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने जांच कमेटी गठित की। जांच रिपोर्ट में अस्पताल की लापरवाही सामने आई, जिसके बाद इंदिरा आईवीएफ अस्पताल का लाइसेंस दो माह के लिए सस्पेंड कर अस्पताल को सील कर दिया है। जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मिथलेश चौधरी ने बताया कि जांच रिपोर्ट में पता चला है कि अस्पताल में ऑपरेशन के लिए पर्याप्त सेटअप नहीं थे। हॉस्पिटल की इस लाप. रवाही के चलते ही सील किया गया है। गौरतलब है कि अस्पताल में मृत मरीज का इलाज किया जा रहा था। मरीज की मौत के बाद दूसरे हॉस्पिटल में रैफर किया गया था। स्वास्थ्य विभाग ने संज्ञान लेते हुए तीन सदस्यीय जांच समिति को गठित की गई थी। गंभीर लापरवाही उजागर होने के बाद अस्पताल पर कड़ी कार्यवाही अमल में लाई गई है।

स्किन क्लीनिकों पर छापेमारी 3 फर्जी डॉक्टर अरेस्ट

हैदराबाद: स्किन क्लीनिकों पर छापेमारी के दौरान तीन फर्जी डॉक्टरों को गिरफ्तार किया गया है। यह कार्रवाई तेलंगाना मेडिकल काउंसिल ने जुबली हिल्स, बंजारा हिल्स, माधापुर, हाईटेक सिटी, कुकटपल्ली और मियापुर में की। टीम ने त्वचा, लेजर, बाल और कॉस्मेटोलॉजी के लिए समर्पित 40 केंद्रों पर काम करने वाले डॉक्टरों के सत्यापन जांचे और तीन फर्जी डॉक्टरों को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही, 20 केंद्र योग्य त्वचा विशेषज्ञों, प्लास्टिक सर्जनों या जिला पंजीकरण प्राधिकरण से जरूरी अनुमति के बिना संचालित पाए गए। कुछ केंद्रों पर डेंटल, आयुर्वेदिक और होम्योपैथी चिकित्सक कार्यरत थे जो अपनी योग्यता से परे लेजर का उपयोग कर रहे थे। अयोग्य चिकित्सकों को नोटिस जारी किए गए हैं। टीजीएमसी के उपाध्यक्ष डॉ. जी. श्रीनिवास ने कहा कि केवल एमबीबीएस, एमडी त्वचा विज्ञान या एमसीएच प्लास्टिक सर्जरी योग्यता वाले डॉक्टरों को ही हेयर ट्रांसप्लांटेशन जैसे कॉस्मेटिक उपचार करने चाहिए। उन्होंने बताया कि 200 से ज्यादा शिकायतें मिली हैं, जबकि वास्तविक घटनाएं 10 गुना ज्यादा होने की संभावना है। उन्होंने इन प्रक्रियाओं को करने वाले अयोग्य व्यक्तियों के हानिकारक प्रभावों को रेखांकित किया। इसमें अपर्याप्त एसेप्टिक सावधानियों के कारण दवा प्रतिक्रिया, रासायनिक जलन और सेप्सिस शामिल हैं। बताया गया कि करीब 70 प्रतिशत क्लीनिक गैर-डॉक्टरों और दंत चिकित्सकों द्वारा चलाए जा रहे हैं और अनधिकृत प्रमाणपत्रों के साथ सौंदर्य संबंधी प्रक्रियाएं कर रहे हैं।

सिप्ला चीन प्लांट से शुरू करेगी अमेरिका को सप्लाई

नई दिल्ली: प्राप्त समाचार के अनुसार दवा कंपनी सिप्ला इस साल के अंत तक चीन संयंत्र से अमेरिका को सप्लाई शुरू करेगी। सिप्ला के प्रबंध निदेशक और वैश्विक सीईओ उमग वो. हरा ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक से मंजूरी मिलने के बाद चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में कंपनी अपनी चीन युनिट से अमेरिकी बाजार में दवा सप्लाई शुरू कर देगी। कंपनी की 2023-24 की वार्षिक रिपोर्ट में उन्होंने कहा कि कंपनी अपने विभिन्न घरेलू संयंत्रों से संबंधित मुद्दों को हल करने के लिए यूएसएफडीए के साथ काम कर रही है। हालांकि कंपनी ने यूएसएफडीए ऑडिट के साथ चुनौतीपूर्ण चरण देखे है और चीन सुविधा ने यूएसएफडीए ऑडिट को मंजूरी दे दी है। वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी छमाही तक अमेरिका को आपूर्ति करने की उम्मीद है। उन्होंने अन्य संयंत्रों के बारे में बताया कि भारत में पातालगंगा और कुरकुंभ संयंत्रों को भी वीएआई (स्वैच्छिक कार्रवाई संकेत) के तहत मंजूरी मिल गई है।

डीसीए की रेड, मोटापा और अवसाद ठीक करने का दावा करने वाली दवाएं जब्त

हैदराबाद: प्राप्त समाचार के अनुसार डीसीए ने यदाद्री-भुवनगिरी जिले के चौटुप्पल में एक मेडिकल शॉप पर छापा मारा और मोटापा व अवसाद ठीक करने का दावा करने वाली दवाएं जब्त की हैं। औषधि नियंत्रण प्रशासन तेलंगाना के अधिकारियों ने छापे के दौरान सिद्ध-आयु आयुर्वेदिक अनुसंधान फाउंडेशन, मध्य प्रदेश द्वारा निर्मित आयुर्वेदिक दवा त्रिफला गुग्गुलु टैबलेट का पता लगाया। उत्पाद लेबल पर मोटापे का इलाज करने का भ्रामक दावा था। इस बीच, सिरिसिला की औषधि निरीक्षक एलआरडी भवानी और उनकी टीम ने अश्वगंधादि लेह्या नामक आयुर्वेदिक दवा का पता लगाया। इसका निर्माण मनफर आयुर्वेदिक ड्रग्स, गवर्नरपेट, विजयवाड़ा द्वारा किया गया था, जिसके उत्पाद लेबल पर भ्रामक दावा किया गया था कि यह अवसाद और संबंधित चिंता से राहत दिलाती है। सिरिसिला में भी एक मेडिकल शॉप पर की गई छापेमारी के दौरान दवाओं के स्टॉक को जब्त कर लिया गया। डीसीए के महानिदेशक, वीबी कमलासन रेड्डी ने कहा कि मोटापे और अवसाद और संबंधित चिंता/मस्तिष्क के रोगों और विकारों के इलाज के लिए किसी दवा का विज्ञापन करना औषधि और जादुई उपचार (आपत्तिजनक विज्ञापन) अधिनियम, 1954 के तहत प्रतिबंधित है।

लाइफ लाइन अस्पताल में मिली कमियां, सील

गंजडुंडवार (आगरा): लाइफ लाइन अस्पताल में जांच के दौरान कई कमियां मिलने पर अस्पताल को सील कर दिया गया है। पटियाली के एसडीएम कुलदीप सिंह व एसीएमओ डा. एसके सिंह की मौजूदगी में यह सीलिंग कार्रवाई अमल में लाई गई। डीएम के निर्देश पर एसडीएम पटियाली कुलदीप सिंह व एसीएमओ डा. एसके सिंह के साथ तीन सदस्यीय टीम ने लाइफ लाइन हॉस्पिटल में निरीक्षण किया। कमियां मिलने के बाद लाइफ लाइन हॉस्पीटल को सील करने की कार्यवाही की गई।

उदयपुर में रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल से एमबी अस्पताल में सेवाएं प्रभावित

उदयपुर: प्राप्त समाचार के अनुसार अस्पताल प्रशासन के खिलाफ रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल के कारण उदयपुर के संभाग के सबसे बड़े एमबी अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हुईं। हड़ताल में 650 रेजिडेंट डॉक्टर शामिल थे, इसलिए वरिष्ठ डॉक्टरों को कार्यभार संभालना पड़ा। हालांकि, मरीजों की भारी भीड़ के कारण ओपीडी के बाहर लंबी कतारें लग गईं, जबकि मेडिसिन और अन्य विभागों में मरीजों को इलाज के लिए घंटों इंतजार करना पड़ा। वरिष्ठ डॉक्टरों के प्रयासों के बावजूद, उनकी सीमित संख्या मरीजों के बोझ को संभालने के लिए अपर्याप्त थी, जिसके परिणामस्वरूप चिकित्सा सहायता लेने वालों को असुविधा हुई। उदयपुर रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन ने पूर्ण कार्य बहिष्कार का आह्वान किया, जिसके चलते सभी रेजिडेंट डॉक्टर अस्पताल प्रशासन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने के लिए अस्पताल के मुख्य बरामदे में एकत्र हुए।

एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. दीपक निनामा और महासचिव डॉ. जतिन प्रजा. पति ने कहा कि एमबी अस्पताल के रेजिडेंट डॉक्टर पिछले एक साल से अपने वजीफे, वेतन, एचआरए और बकाया के अनियमित भुगतान का सामना कर रहे हैं। प्रशासन को कई बार सूचित करने के बावजूद उनके रवैये में कोई बदलाव नहीं आया है। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसी समस्याएं उदयपुर तक ही सीमित हैं और राजस्थान के अन्य हिस्सों के विपरीत इनका समाधान नहीं हो पाया है। रेजिडेंट डॉक्टरों की अचानक हड़ताल के कारण कई ऑपरेशन स्थगित हो गए, जबकि कई मरीजों को नई तारीखें दी गईं। हड़ताल की अवधि अनिश्चित बनी हुई है, क्योंकि रेजिडेंट डॉक्टरों ने घोषणा की है कि जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं हो जातीं, वे काम पर नहीं लौटेंगे। इंटर्न डॉक्टर भी रेजिडेंट डॉक्टरों के साथ आ गए हैं और उनका मानना है कि रेजिडेंट डॉक्टरों के सामने आने वाली समस्याएं भविष्य में भी उन्हें प्रभावित कर सकती हैं। उनका कहना है कि अस्पताल के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए इन समस्याओं का तुरंत समाधान किया जाना चाहिए। अस्पताल प्रशासन के खिलाफ रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल के कारण उदयपुर के संभाग के सबसे बड़े एमबी अस्पताल में स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हुईं।

सस्ती टीबी रोधी दवा निर्माण का रास्ता खुला, होगा लाभ

नई दिल्ली: देश में सस्ती टीबी रोधी दवा के निर्माण का रास्ता खुल गया है। इससे बाल रोगियों को लाभ मिल पाएगा। दरअसल, भारतीय पेटेंट कार्यालय ने जॉनसन एंड जॉनसन (जेएंडजे) के तपेदिक रोधी (टीबी) दवा, बेडाक्विलिन के बाल चिकित्सा संस्करण के आवेदन को अस्वीकार कर दिया है। इससे लागत प्रभावी टीबी उपचार तक पहुंच पर व्यापक प्रभाव पडने की संभावना है। बता दें कि दो बार टीबी से बचे गणेश आचार्य ने अन्य नागरिक समाज समूहों और बचे लोगों के साथ मिलकर एक याचिका दायर की थी। 2020 में उन्होंने पेटेंट को चुनौती दी, जिसका विरोध नहीं किया गया। गौरतलब है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा अनुशंसित दवा प्रतिरोधी टीबी के लिए बेडाक्विलिन एक प्रमुख इलाज है। पिछले साल, पेटेंट कार्यालय ने जुलाई 2023 में प्राथमिक पेटेंट की समाप्ति से परे वयस्कों के इलाज के लिए बेडाक्विलिन पर भारत में अपना एकाधिकार बढ़ाने के अमेरिकी फार्मास्युटिकल कॉर्पोरेशन के प्रयास को भी खारिज कर दिया था। यदि प्राथमिक पेटेंट की समाप्ति के बाद दूसरा पेटेंट दिया जाता, तो इससे दवा पर कंपनी का बाजार नियंत्रण बढ़ जाता।

दवा की एक्सपायरी क्लेम के लिए समय सीमा हटाने की मांग

मेरठः प्राप्त समाचार के अनुसार दवा की एक्सपायरी क्लेम के लिए समय सीमा हटाने की मांग उठाई है। बोम्बे बाजार स्थित चौंबर ऑफ कॉमर्स में उत्तर प्रदेश दवा व्यापार संघर्ष समिति के सम्मेलन के दौरान यह मांग उठाई गई।

ऑनलाइन दवा की बिक्री बंद की जाए : बता दें कि इस सम्मेलन में प्रदेश के के अलावा अन्य राज्यों से भी दवा व्यापारी शामिल हुए। इस मौके पर समिति संस्थापक गोपाल अग्रवाल ने कहा कि दवा व्यापारियों को एकजुट कर उनकी समस्याएं दूर की जाएंगी। उन्होंने कहा कि एक्सपायरी दवाओं के क्लेम के लिए समय सीमा समाप्त की जानी चाहिए। इसके साथ डाक्टरों को दवाओं की सीधी सप्लाई नहीं होनी चाहिए। कंपनियां अपनी मर्जी से माल न भेजकर व्यापारी के ऑर्डर पर सप्लाई करें और ऑनलाइन दवा की बिक्री बंद की जाए। सम्मेलन की अध्यक्षता कर रहे वाराणसी के कारोबारी रमेश महेश्वरी ने कहा कि मरीजों की सेवा में दवा व्यापारियों का भी बड़ा योगदान है। सुधीर चौधरी ने कहा कि दवा निर्माता अपने लाभ के लालच में बाजार के सामने परेशानियां बढ़ा रहे हैं। दवा के प्रमोशन के लिए कंपनियां सीधे डॉक्टर से दवाएं लिखवाती हैं, जबकि रोगियों तक दवा पहुंचाने की जिम्मेदारी थोक से होते हुए खुदरा दवा व्यापारियों की होनी चाहिए।

क्लीनिक में ही मिल रहीं दवाएं : दवा व्यापारी मनोज अग्रवाल ने कहा कि कई वर्षों से दवा कंपनियां बाजार के शेयर को डॉक्टरों की ओर मोडने की नीति को प्रोत्साहित कर रही हैं। इससे एकाधिकार की स्थिति पैदा हो रही है। यही वजह है कि क्लीनिक से दवा बेचने वाले डॉक्टरों की दवाएं बाजार में नहीं मिलतीं। मरीजों को दोबारा दवा खरीदते समय उसी स्टोर पर जाना पड़ता है। समिति के संयोजक कानपुर के राजेंद्र सैनी, उत्तर प्रदेश केमिस्ट फेडरेशन के पूर्व अध्यक्ष जनपद जालौन के केके गहोही, कानपुर से मीडिया प्रभारी सुमित पाहवा सहित अन्य ने भी व्यापारियों को संगठन से जोडने पर जोर दिया। इस अवसर पर अरुण शर्मा, अंकुर सारण, ललित गुप्ता, अभिनव शर्मा, कविराज मलिक, संजय चौधरी आदि रहे।

नशीली दवा कफ सिरप की करोड़ों की तस्करी का भंडाफोड़

आगराः प्राप्त समाचार के अनुसार नशीली दवा कफ सिरप की करोड़ों रुपये की तस्करी का भंडाफोड़ हुआ है। औषधि विभाग की टीम ने जांच में पाया कि शूज फर्म के जीएसटी नंबर से बिलिंग करके कफ सीरप की तस्करी की जा रही थी। इसकी रिपोर्ट हापुड़ और लखनऊ मुख्यालय में ड्रग कंट्रोलर को भेजी गई है, जिससे नशीली दवा कारोबार में लिप्त तस्करों पर कार्रवाई हो। औषधि विभाग ने बीते वर्ष हापुड़ में ओम ट्रांसपोर्ट एजेंसी पर रेड की थी। टीम को कोडिंग युक्त कफ सीरप की 152 पेटियां मिली थीं। बरामद कफ सीरप हापुड़ के अरिहंत और गढ़मुक्तेश्वर के एएके मेडिकल डिस्ट्रीब्यूटर के भेजे गए थे। वहां पर भंडारण नहीं किया सकता था। इस पर औषधि विभाग के अधिकारियों ने जांच की तो तस्करी नेटवर्क की परतें खुलती चली गईं। तस्कर फेनसीड्रिल यानी कफ सीरप को दवा नहीं, नशे के लिए तस्करी करते थ और यह यूपी और बिहार के विभिन्न जिलों में खपाई जाती थी।

शूज फर्म के जीएसटी नंबर से कफ सीरप की बिलिंग : जांच में पता चला कि जिस जीएसटी नंबर से कफ सीरप की खेप भेजी गई थी. वो जीएसटी नंबर आगरा में एक्टिव है। इसको लेकर हाथरस में ही एक केस भी दर्ज किया गया था। आगरा में औषधि विभाग की जांच में संजय प्लेस की एक शूज फर्म के जीएसटी नंबर से कफ सीरप की बिलिंग करने की पुष्टि हुई। वहीं जांच में अरिहंत डिस्टीब्यूटर, एके एंड संस, एनएस ट्रांसपोर्ट, ओम ट्रांसपोर्ट के नाम सामने आए। तस्कर इनके जरिए ही बिहार, वाराणसी, गाजियाबाद, आजमगढ़, आगरा, कानपुर, कासगंज में कफ सीरप की भेजते थे। आगरा के सहायक औषधि आयुक्त अतुल उपाध्याय ने बताया कि जांच रिपोर्ट तैयार कर हापुड़ और लखनऊ ड्रग कंट्रोलर कार्यालय में भेज दी है।

गठिया, मधुमेह जैसे रोगों के की नकली दवाएं जब्त

हैदराबादः गठिया, मधुमेह जैसे रोगों के इलाज का दावा करने वाली नकली दवाइयां बरामद की गई हैं। तेलंगाना के औषधि नियंत्रण प्रशासन (डीसीए) ने मेडिकल स्टोर पर रेड कर दवाओं के कई बैचों को जब्त किया है। विशेष अभियान के दौरान अधिकारियों ने राज्य भर के विभिन्न स्थानों से जिन उत्पादों को जब्त किया, उनका विवरण इस प्राकर है :

पैनियन टैबलेट : विन ट्रस्ट फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड, लुधियाना, पंजाब द्वारा निर्मित गठिया के इलाज का दावा करने वाली आयुर्वेदिक दवा रंगारेड्डी जिले के बालापुर मंडल के जिल्लेलगुडा गांव में मिली।

अश्वगंधारिस्ता टॉनिक : इस आयुर्वेदिक टॉनिक को तंत्रिका दुर्बलता, अनिद्रा, स्मृति हानि, मिर्गी और उन्माद के इलाज के लिए विज्ञापित किया गया था। श्री बैद्यनाथ आयुर्वेद भवन प्राइवेट लिमिटेड, हावड़ा, पश्चिम बंगाल की ये दवा सरूरनगर में जब्त की।

श्री श्री तत्व महात्रिफलाद्य घृत : मोतियाबिंद, आंखों के रोगों और ग्लूकोमा का इलाज करने का दावा करने वाली इस दवा को श्रीवेद सत्व प्राइवेट लिमिटेड बैंगलोर ने बनाया है। ये उत्पाद संगारेड्डी जिले के रामचंद्रपुरम में पाए गए।

पल्लेरुकायालु पाउडर : इस आयुर्वेदिक पाउडर के बारे में मधुमेह के इलाज का दावा किया गया है। अमूल्य हर्बल्स, विजयवाड़ा द्वारा निर्मित यह सूर्यापेट में पाया गया था।

प्रोसविन टैबलेट : बेनाइन प्रोस्टेटिक हाइपर ट्रॉफी के उपचार के रूप में विपणन किया गया, इन यूनानी टैबलेट का उत्पादन न्यू शमा लेबोरेटरीज (पी) लिमिटेड, दिल्ली द्वारा किया गया था। इन्हें जुबली हिल्स से जब्त किया है।

अधिकारी ने बताया कि उपरोक्त बरामद की गई दवाओं की जांच की जा रही है और आरोपियों के खिलाफ जल्द कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बैठक

मेरठ में आयोजित उत्तर प्रदेश कैमिस्ट संघर्ष समिति की देश और प्रदेश स्तरीय बैठक में रिटेल दवा व्यापारी की प्रतिष्ठा में चार चांद लगे। आजाद भारत के इतिहास में पहली बार पूरी बैठक में 75% समय रिटेलर की ही समस्याओं पर विचार किया। जिला प्रदेश या देश स्तरीय संगठनों ने केवल रिटेलरों को मूर्ख बनाने के सिवाय कुछ नहीं किया। पिछले कई वर्षो से फार्मासिस्ट समस्या की एक लाइन लिख कर रिटेलरों को अपनी ओर आकर्षित करते हुए खुद को सफल बनाते रहे पर अब रिटेल व्यापारी जागरूक हो गया है, वो अपनी हर समस्या को स्वमं उठाने लगा है, u p chemist संघर्ष समिति ने उनकी मांगों को पूर्ण रूप से सुनकर निवारण करने का भी आश्वासन दिया। आगरा रिटेल कैमिस्ट असोसिएशन की ओर से मेरठ में ऊ. प्र. कैमिस्ट संघर्ष समिति को इस सफल आयोजन कराने पर बहुत बहुत बधाई। डा. आशीष ब्रह्मभट्ट, राजीव शर्मा श्याम तिवारी सतीश पाठक प्रेम राजावत जी बीर बहादुर सिंह आदि।

Ramratan
mob. 9235045001

एक्सपायर दवाओं का जखीरा बरामद

मुजफ्फरनगर में स्वास्थ्य विभाग ने पकड़ा एक्सपायर दवाओं का जखीरा। पैसे और लालच की हवस इन झोलाछाप डॉक्टरों पर इस कदर हावी हो गई है कि वह आम भोली भाली जनता को एक्सपायर दवा देने और लगाने से भी नहीं चुक रहें हैं। मासूम मरीज को क्या पता की जिसके पास में इलाज कराने जा रहा हूं असलियत में वह भगवान नहीं पैसे का पुजारी है। मुजफ्फरनगर में जो नकली दवाओं का जखीरा पकड़ा गया है वह गंभीर रूप से बीमार मरीजो के उपचार में काम आती है। इसलिए यह अभियान पूरे प्रदेश भर में चलाया जाना चाहिए एवं लोगो को भी सजग होकर फैसला लेना चाहिए कि वह किसके पास इलाज करा रहे है, तथा दवाई का बिल प्राप्त करे एवं उस दवाई की एक्सपायरी डेट चेक करें। ऐसा देखने में आया है। कुछ डॉक्टर एक्सपायरी दवाई मिट्टी के रेट खरीद कर फिर उन्हे रैपर से निकाल मरीज को देते है। स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहे इन लोगो से सावधान रहे सजग रहे। मुजफ्फरनगर कैमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसेशन सही के साथ देती रहे

Satish Tayal, mob. 9760007069

नशीली दवा की कार से तस्करी, दो तस्कर किए गिरफ्तार

सोनौली, महाराजगंज (उप्र): नशीली दवा की तस्करी में पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है। सोनौली बॉर्डर के ग्राम गनवरिया के पास से एसएसबी और सोनौली पुलिस ने कार सवार गोरखपुर के दो युवकों को नशीली दवा ले जाते गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने कार की तलाशी ली और 80 शीशी फेंसाडिल सीरप और 500 पत्ता स्पासप्राश कैप्सूल बरामद किए। एसएसबी 66वीं वाहिनी और सोनौली पुलिस सरहद पर गश्त कर रही थी। इस दौरान दो युवक कार से गोरखपुर से सोनौली बॉर्डर के ग्राम गनवरिया के पास पहुंचे। पुलिस ने कार सवारों को शक के आधार पर रोका और गाड़ी के कागजात मांगे। कार की तलाशी लेने पर उसमें 80 शीशी फेंसाडिल सीरप और 500 पत्ता स्पासप्राश कैप्सूल बरामद हुए। पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में दोनों ने अपना नाम गोरखनाथ निवासी नीरज चंद श्रीवास्तव और ग्राम सूरज बिहार तिवारीपुर निवासी मोहम्मद सैफ बताया। आरोपियों ने बताया कि वे गोरखपुर से नशीली दवा लेकर नेपाल जा रहे थे।

मेडिकल स्टोर संचालकों के लिए एडवाइजरी की जारी

नई दिल्लीः मेडिकल स्टोर संच. ालकों के लिए दिल्ली सरकार ने एडवाइजरी जारी की है। इसमें कहा है कि सभी मेडिकल स्टोर पर सीसीटीवी कैमरा लगाना अनिवार्य है। वहीं, एंटीबायोटिक और नशीली दवा डॉक्टर की पर्ची के बिना न दें। इन निर्देशों का सख्ती से पालन किया जाए। यह कदम नशीली दवाओं की बिक्री पर रोक लगाने के लिए उठाया गया है। ड्रग कंट्रोल डिपार्टमेंट ने राजधानी के सभी केमिस्ट एसोसिएशन को एडवाइजरी जारी की है। इसके अनुसार शेड्यूल एच, एच1 और एक्स दवाएं बेचने वाले मेडिकल स्टोर संचालक को बिना डॉक्टर की पर्ची के बच्चों को दवा नहीं बेच सकेंगे। सभी मेडिकल स्टोर पर सीसीटीवी कैमरा लगाने होंगे। केमिस्ट एसोसिएशन को ऐसे मेडिकल स्टोर की सूची देने को कहा गया है, जिन्होंने सीसीटीवी नहीं लगाए हैं। ऑल इंडिया केमिस्ट फेडरेशन के प्रेजिडेंट कैलाश गुप्ता ने कहा कि बड़े मेडिकल स्टोरों में पहले से ही सीसीटीवी कैमरे लगे हैं। उन्होंने आशंका जताई कि इस तरह के ऑर्डर कहीं कागजों तक ही सीमित न रह जाएं।

Pharma News August 2024_Layout 2 8/11/2024 8:31 PM Page 9

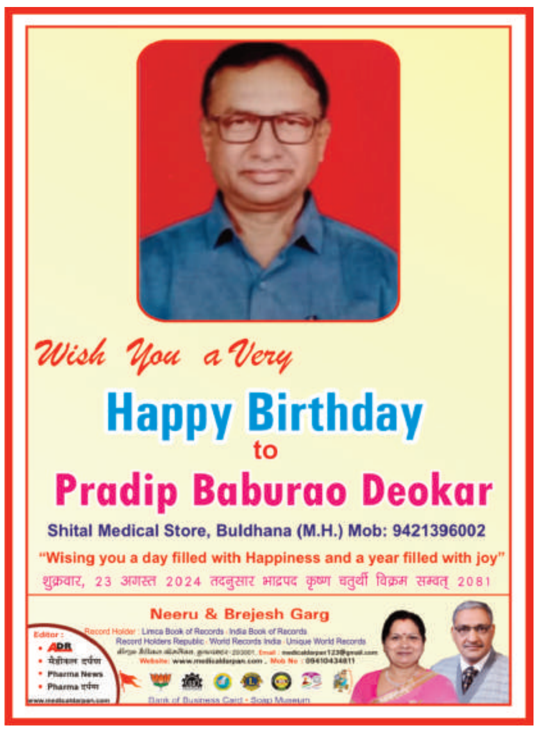

भारत आने के लिए बांग्लादेशी भी लगा रहे 'जय श्रीराम' के नारे

प्राप्त समाचार के अनुसार भारत में आने के लिए बांग्लादेशी भी सीमा पर 'जय श्रीराम' के नारे लगा रहे हैं। भारत माता की जय, शेख हसीना की जय भी सुनाई दे रहा है। हालांकि बीएसएफ ने सभी को जीरो प्वाइंट पर रोक दिया है। बांग्लादेश छोड़कर भारत में शरण लेने के लिए सैकड़ों लोग सीमा पर जमा हो रहे हैं। तनाव के बीच सभी भारत में शरण चाहते हैं। बीएसएफ ने उन्हें रोका है। हालांकि, वे शरणार्थी जीरो प्वाइंट पर खड़े हैं। कुछ लोग अवामी लीग का नाम लेकर नारे लगाने लगे। कुछ श्जय श्री रामश के नारे लगाते दिखे। ऐसा नजारा शुक्रवार को भारत-बांग्लादेश सीमा पर कूचबिहार के सीतालकुची के पाठानठुली में देखने को मिला। भारी संख्या में सुरक्षा बलों को यहां पर लगाया गया है। इसके बाद बांग्लादेश में कई जगहों पर हालाता बिगड़े हुए हैं। देश के कई हिस्सों में तोड़फोड़ और लूटपाट की शिकायतें आ रही हैं। ऐसे में कई बांग्लादेशी अपना घर छोड़कर शरण के लिए भारत आ रहे हैं। जलपाईगुड़ी के बेरुबारी में बांग्लादेश सीमा पर कई लोग एकत्र हुए थे। उस जगह पर कोई कंटीला तार नहीं है। बीएसएफ ने कहा कि वे जीरो पॉइंट पर इंतजार कर रहे थे। सभी भारत में प्रवेश की अनुमति चाहते हैं। हालांकि, बीएसएफ ने बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) से बात करने के बाद उन्हें वापस भेज दिया। बांग्लादेश छोड़कर भारत आने के लिए सीतालकुची के पाठानठुली में सैंकड़ों लोग एकत्रित हुए। हालांकि, बीएसएफ ने उन्हें सीमा पर बाड़ लगाने से पहले ही रोक लिया। तभी वे लोग जीरो प्वाइंट पर जमीन पर बैठकर हसीना सरकार के समर्थन में नारे लगाने लगे। बीएसएफ सूत्रों के अनुसार, ये निवासी बांग्लादेश के लालमनिरहाट जिले के गाइबंदा, पश्चिम गोतामारी, पूर्वी गोतामारी, डाकातारी इलाकों से आए थे। जानकारी के मुताबिक वे बांग्लादेशी हसीना के समर्थन में नारे लगाने के अलावा श्भारत माता की जयश, श्जय श्री रामश के नारे भी लगाते रहे। बांग्लादेशी बांग्लादेशी सीमा के बगल में डाक्वातारी में खरब नदी के तट पर एकत्र हुए। हालांकि, अंततः वे भारत में प्रवेश नहीं कर सके। सीमा पर तैनात बीएसएफ की 157 बटालियन के जवानों ने उन्हें जीरो प्वाइंट पर रोक लिया। लेकिन सीमा पर भारी दबाव महसूस किया जा रहा है।

भारत आने की इजाजत देने के लिए पीएम मोदी के आभारी : जॉय : बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के बेटे सजीब वाजिद जॉय ने फिर कहा शेख हसीना का किसी भी देश में शरण लेने का कोई इरादा नहीं है। वे भारत में ही रहेंगी। इसके साथ ही कहा कि मां की जान बचाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आभारी हैं, उन्होंने बेहद कम समय में उन्हें भारत आने की इजाजत दी, वर्ना बांग्लादेश में उनकी हत्या हो सकती थी। जॉय ने कहा, देशभर में अवामी लीग के नेताओं और कार्यकर्ताओं पर हमले के बाद उनका नजरिया बदल गया है। यह मां का आखिरी कार्यकाल था। वे अगला चुनाव नहीं लड़तीं। मेरा भी राजनीति में आने का कोई मन नहीं था। लेकिन, पिछले दिनों जो कुछ हुआ, उससे पता चलता है कि देश के नेतृत्व में एक खालीपन आ गया है। देश के लोगों और पार्टी के कार्यकर्ताओं की खातिर मुझे राजनीति में उतरना होगा। जॉय ने कहा अवामी लीग अगले चुनाव में हिस्सा लेगी और उन्हें पूरा यकीन है कि वे चुनाव जीतेंगे। जॉय ने पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई पर बांग्लादेश में हिंसा फैलाने का आरा. ेप लगाया। जॉय ने कहा कि उन्हें ऐसे सबूत मिले हैं, जिनसे यह साफ हो जाता है कि अराजकता के पीछे आईएसआई का हाथ है। इसकी पूरी प्लानिंग की गई थी। अभी भी कई जगह अशांति का माहौल. .. बांग्लादेश में अभी भी कई जगहों पर अशांति का माहौल है। छुट्टी पर जा चुके पुलिस कर्मचारी भी धीरे-धीरे ड्यूटी पर आ रहे हैं। लेकिन देश भर में अल्पसंख्यक समुदाय या तो छिपा हुआ बैठा है अथवा पड़ोसी देशों की तरफ पलायन कर रहा है। जॉय ने कहा, ऐसे हालात की कभी कल्पना भी नहीं की थी। बांग्लादेश में शेख हसीना के तख्तापलट के बाद शुरू हुए हिंदुओं पर हमले को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने कहा है कि हिंदुओं का नरसंहार और मंदिरों का विध्वंस असहनीय है। इसके साथ ही सरकार से इस मामले में तुरंत दखल की मांग की है।

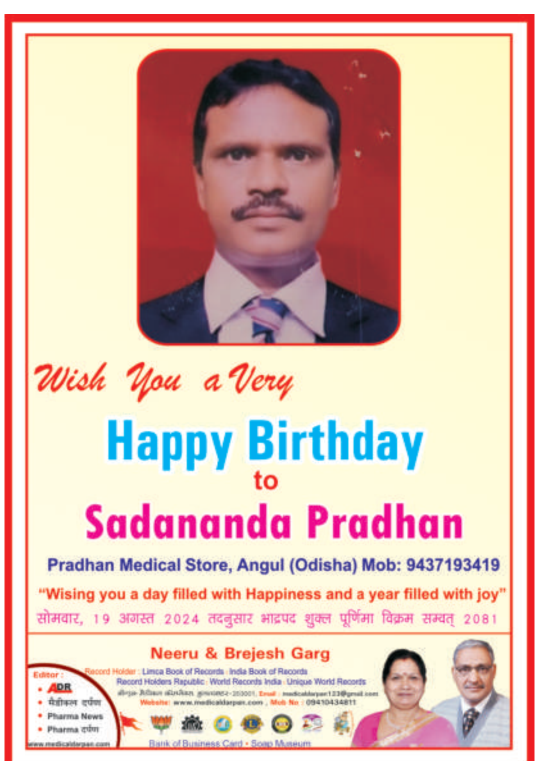

48 प्राइवेट हॉस्पिटल्स पर कार्रवाई 11 पर जुर्माना, ये है कारण

छत्तीसगढ़: प्राप्त समाचार के अनुसार 48 प्राइवेट हॉस्पिटल्स पर कार्रवाई करने का मामला सामने आया है। इनमें से 11 अस्पतालों पर जुर्माना भी लगाया गया है। आरोप है कि आयुष्मान कार्ड होने के बावजूद अस्पताल में इलाज के लिए आने वाले मरीजों से ये अस्पताल नकद राशि भी वसूल रहे थे। दूसरी ओर, आयुष्मान भारत कार्ड के माध्यम मरीज के इलाज का पैसा सरकार ले भी ले रहे थे। मामला संज्ञान में आने पर कार्रवाई की गई है।

अस्पताल का लाइसेंस कैंसिल : इस मामले में राज्य के 48 हॉस्पिटल्स पर कार्रवाई की गई है। वहीं, 11 अस्पतालों पर भारी जुर्माना लगाया गया है। इसके अलावा, एक अस्पताल का लाइसेंस कैंसिल कर दिया गया है। बताया गया है कि जिन अस्पतालों पर कार्रवई हुई है, उन अस्पतालों ने आयुष्मान कार्ड और सरकार के नियमों की अनदेखी की है। जानकारी अनुसार वर्ष 2024 में अब तक कुल 48 अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है। इनके खिलाफ शिकायतें मिलने पर जांच के बाद 11 अस्पतालों पर जुर्माना लगाया गया है। एक अस्पताल का रजिस्ट्रेशन भी कैंसिल किया गया है।

इन अस्पतालों पर की गई कार्रवाई : नियम विरूद्ध कार्य करने पर जय तुलसी मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल राजनंदगांव पर 15 हजार रुपए का अर्थदंड, श्री आरोग्यम हॉस्पिटल पर 11 लाख 41 हजार रुपए का अर्थदंड एवं अंकुर हॉस्पिटल रायपुर, 1 लाख 40 हजार का अर्थदंड, मां यशोदा हॉस्पिटल, जिला-गरियाबंद पर 6 लाख 60 हजार रूपए जुर्माना लगाया गया है। इनके अलावा, श्री राम हॉस्पिटल झलप, महासमुंद पर 11 लाख 41 हजार रूपए, अशोका हॉस्पिटल, रायपुर 31 लाख 60 हजार रूपए , ओमकार हॉस्पिटल बिलासपुर, 1 लाख 82 हजार रुपये, साईं समर्थ हॉस्पिटल रायपुर 4 लाख 25 हजार रुपए, केयर एंड क्योर हॉस्पिटल, बिलासपुर पर 12 लाख 74 हजार 900 रूपए, एवं स्पर्श मल्टी स्पेशिलिटी हॉस्पिटल, दुर्ग पर 24 लाख 44 हजार 700 का अर्थदंड लगाया है। 48 प्राइवेट हॉस्पिटल्स पर कार्यवाही करने का मामला सामने आया है।

कफ सिरप की तस्करी के गिरोह का भंडाफोड़

मुंबईः कफ सिरप की तस्करी के गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने नशीली दवा के अंतरराज्यीय गिरोह के तीन लोगों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से कोडीनयुक्त कफ सिरप की 3 हजार बोतलें जब्त की हैं। इनकी अनुमानित कीमत 15 लाख रुपये आंकी गई है। एनसीबी की मुंबई क्षेत्रीय इकाई के एक अधिकारी ने बताया कि एसआर अहमद, एम असलम और वाई खान ठाणे जिले के उल्हासनगर में एक ट्रांसपोर्ट फर्म से बोतलों का 'पार्सल' लेने के लिए जा रहे थे। इन तीनों को मौके पर पकड़ लिया गया। प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत होता है कि तीनों आरोपियों ने मुंबई में अवैध वितरण के लिए कोडीन युक्त कफ सिरप की बोतलें मंगवाई थीं। उन सभी की आपराधिक पृष्ठभूमि है और वे मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल हैं। संदेह है कि तीनों आरोपी एक अंतरराज्यीय मादक पदार्थ गिरोह से जुड़े थे।

क्षणिकाएं

1. समय का चक्र,
चलता जाता है।
सब का समय,
आता है जाता है।
2. जीवन का आधार,
कर्म को बनाओ।
जाने के बाद भी,
यादों में रह जाओ।
3. युवा सोच पर,
अंकुश लगायें।
बड़ों की बातें,
मान भी जाए।
4. आप विश्वास को,
रख पायेंगे।
तो खुशी के पल,
अवश्य आयेंगे।
5. जीवन के पन्ने,
पलटते जाइये।
तभी तो नित नये,
अनुभव पाइये।
6. रोते हुए के,
आंसू पौंछ पाये।
एक बड़ा पुण्य,
आप कमा लाये।

डॉ. नरेन्द्र नाथ लाहा.
ग्वालियर (म०प्र०)
मो० न० : 9826611169

भारतीय फार्मा ने एचवीएसी पर ध्यान बढ़ाया क्योंकि संशोधित अनुसूची एम में इसकी सख्त प्रयोज्यता अनिवार्य

बेंगलुरुः प्राप्त समाचार के अनूसार भारतीय दवा उद्योग हीटिंग, वेंटिलेशन और एयर कंडीशनिंग (HVAC) सिस्टम पर अपना ध्यान बढ़ा रहा है क्योंकि संशोधित अनुसूची इसकी कठोर प्रयोज्यता को अनिवार्य करता है। यह हाल के अपडेट के बाद है जिसमें अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए HVAC सिस्टम में उन्नत समाधानों की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। यहां तक कि CDSCO ने कार्यशालाओं का आयोजन करते हुए कहा कि संशोधित दिशानिर्देशों में पानी और HVAC सिस्टम पर विश्व स्वास्थ्य संगठन (HO) के दिशानिर्देशों की प्रयोज्यता की आवश्यकता है। यहीं पर बेंगलुरु में दिन भर चलने वाले कार्यक्रम 'HVAC - Refrigeration के साथ PharmaConnect' ने उस वातावरण पर कठोर नियंत्रण पर अधिक ध्यान केंद्रित किया जिसमें दवाएं बनाई जाती हैं। दो भूमिकाएँ जहाँ एचवीएसी नियंत्रण सबसे महत्वपूर्ण है, वे हैं विनिर्माण और भंडारण।

Pharma News August 2024_Layout 2 8/11/2024 8:31 PM Page 10

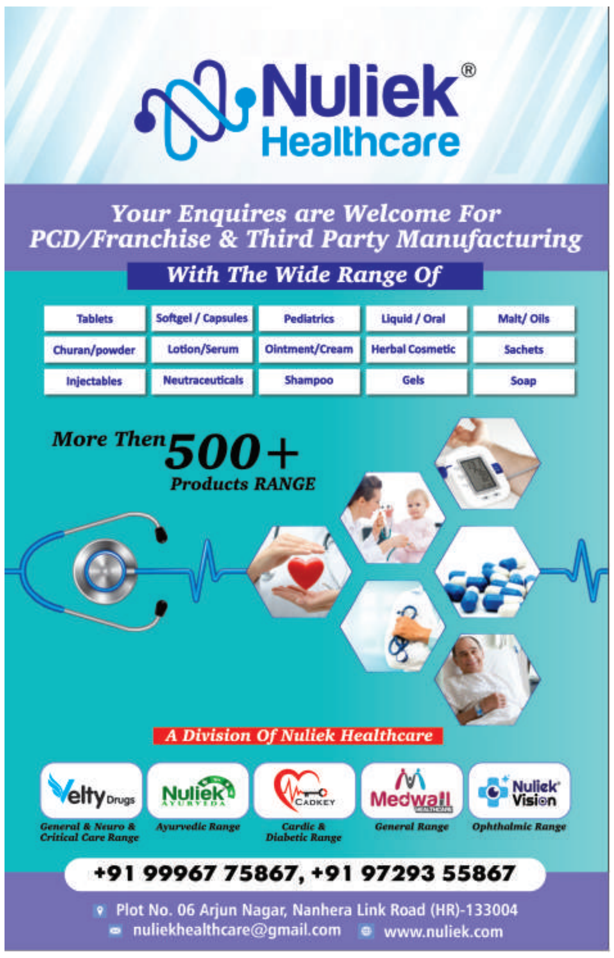

Aster MIMS Calicut unveils dedicated paediatric, geriatric emergency department

Bengaluru: Aster DM Healthcare Limited unveiled two pioneering facilities — a dedicated paediatric and a geriatric emergency department at Aster MIMS Calicut. The services were formally inaugurated by Dr Azad Moopen, Founder and Chairman, Aster DM Healthcare. The paediatric emergency department will cater comprehensively to all paediatric cases, offering round-the-clock care by dedicated paediatricians and their residents within an eight-bedded facility equipped with state-of-the-art amenities. Concurrently, the geriatric emergency department, a burgeoning specialty, will see further enhancement under the expert guidance of Dr Venugopal and Dr Nadeem Rahman, specialists in geriatric medicine. A distinct 10-bedded area has been designated to manage geriatric emergencies, with joint oversight by the Emergency Medicine and General Medicine departments. This initiative ensures that both paediatric and geriatric cases are managed by highly qualified professionals.

अवैध इंजेक्शन की खेप समेत तस्कर गिरफ्तार

जयपुर: प्राप्त समाचार के अनुसार प्रतिबंधित एविल इंजेक्शन की खेप समेत एक तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। ड्रग कंट्रोल डिपार्टमेंट की टीम ने ड्रग तस्कर के पास से 300 एविल इंजेक्शन की खेप बरामद की है। औषधि विभाग को सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति बिहार से इंजेक्शन लाकर कार्वंटिया सर्किल पर नशा करने वाले लोगों को बेचता है। सहायक औषधि नियंत्रक महेंद्र जोनवाल और औषधि नियंत्रण पूनम महिंद्रा ने बस्ती पुलिस को साथ लेकर इस कार्रवाई को अंजाम दिया। सहायक औषधि नियंत्रक महेन्द्र जोनवाल के अनुसार सूचना के तहत टीम ने कार्वंटिया सर्कल पर घेराबंदी की। एक युवक वहां पहुंचा। वह एक सफेद कट्टा लेकर सर्किल पर घूम रहा था। संदेह होने पर पुलिस और दवा विभाग की टीम ने युवक को दबोचा और उसकी तलाशी ली। युवक के पास कट्टे में एविल इंजेक्शन की खेप बरामद हुई। इसमें कुल 300 इंजेक्शन और सीरिंज मिली। बरामद इंजेक्शन के सैंपल लेकर उसे जांच के लिए लैब में भिजवाया है। बताया गया कि आरोपी युवक मोहम्मद रजा हुसैन बिहार का रहने वाला है। यहां भट्टा बस्ती में किराये का कमरा लेकर रहता है। एक दिन पहले ही ये बिहार से यहां इंजेक्शन की खेप लेकर आया था। इन इंजेक्शन को यही महंगे दाम पर बेचता है या इसे आगे सप्लाई करता था। गौरतलब है कि जब किसी मरीज को अचानक शरीर में किसी चीज से एलर्जी हो जाती है तो उसे कंट्रोल करने के लिए इन इंजेक्शन का इस्तेमाल करते हैं। ये इंजेक्शन बाजार में केवल डॉक्टर की लिखी पर्ची पर ही मेडिकल स्टोर पर बिक्री होते है। बाजार में इस इंजेक्शन की कीमत 5 से 8 रुपए के बीच होती है।

जिला अस्पताल में आए पैथोलॉजी लैब संचालक समेत महिला गिरफ्तार, पैथोलॉजी सील

अंबेडकर नगर: प्राप्त समाचार के अनुसार जिला अस्पताल में दलाली के लिए आए पैथोलॉजी लैब संचालक समेत महिला को गिरफ्तार किया गया है। दोनों को अकबरपुर कोतवाली भेजने के साथ ही उन पर केस दर्ज करने की तैयारी शुरू कर दी गई। इस बीच देर शाम डीएम के सख्त निर्देश पर बिना लाइसेंस चल रही संबंधित पैथोलॉजी को सील कर दिया गया। जिला प्रशासन की टीम ने जिला अस्पताल में दलालों को पकडने के लिए छापेमारी की। छोमारी की सूचना मिलते ही अस्पताल प्रशासन में हडकंप मच गया। टीम ने एक निजी पैथोलॉजी के संचालक खुर्शीद को मौके पर पकड़ लिया और पुलिस हिरासत में सौंप दिया है। इसी बीच निजी अस्पताल और पैथोलॉजी के लिए काम करने के आरोप में अन्नावा निवासी महिला कंचन को भी पकड़ लिया गया। उसे भी पुलिस हिरासत में भेजा गया है। सीएमएस डॉ. ओमप्रकाश ने हिरासत में लिए गए दोनों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज करवा दी है। एसडीएम भरत शुक्ल, डिप्टी सीएमओ डॉ. संजय वर्मा और सीएचसी अकबरपुर प्रभारी डॉ. मार्कंडेय की टीम ने पकड़े गए संचालक खुर्शीद के भारत पैथोलॉजी पर दबिश दी। वहां पैथोलॉजी से जुड़े कागजात नहीं मिले। इसके चलते उसे तत्काल सील कर दिया गया।

ड्रेस कोड में रहने की हिदायत : एडीएम के निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर में कुछ कर्मचारियों ने निर्धारित ड्रेस नहीं पहनी थी। इस पर उन्हें कड़ी फटकार लगाई गई।

भारत में क्लीनिकल ट्रायल के बिना मिलेगी विदेशी दवा को मंजूरी

नई दिल्ली: भारत में क्लीनिकल ट्रायल के बिना विदेशी दवा को मंजूरी मिलेगी. इस संबंध में केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने आदेश जारी किया है। आदेशों में कहा गया है कि विदेश में यदि दवा को क्लिनिकल ट्रॉयल के बाद वहां के रेगुलेट्री अथॉरिटी की मंजूरी मिलती है तो उस दवा को भारतीय बाजार में सीधे प्रयोग में लाया जा सकता है। इसके लिए न्यू ड्रग एंड क्लिनिकल ट्रॉयल रूल 2019 के रूल 101 में बदलाव किया गया है।

इनमें दुनिया के 5 देशों और यूरोपीय यूनियन के किसी भी देश की दवा का जिक्र है। इससे गंभीर बीमारियों की दवा भी आसानी से उपलब्ध हो पाएगी। सरकार के इस फैसले से दवाओं के रेगुलेट्री प्रोसेस में रिसोर्स खर्च की बचत होगी और इसका उपयोग किसी और काम में किया जा सकेगा। यह भी दावा किया गया है कि भारतीय दवा उद्योग वॉल्यूम से वैल्यू की ओर बढ़ रहा है। ऐसे में सरकार का यह कदम मील का पत्थर साबित होगा। विदेश से भारत आने वाली जो दवा भारतीय भौगोलिक परिस्थितियों के अनूकूल होगी, उस दवा को तत्काल प्रभाव से भारत में मंजूरी मिल जाएगी।

2019

के रूल न्यू ड्रग एंड क्लिनिकल ट्रॉयल 101 में बदलाव किया गया

इन देशों की दवाओं को इजाजत : बताया गया है कि यूके, यूएस, आस्ट्रेलिया, जापान, कनाडा और ईयू के देशों से आने वाली दवाओं को देसी क्लिनिकल ट्रायल से नहीं गुजरना होगा। वहां के देश में कोई भी दवा यदि क्लिनिकल ट्रॉयल से गुजर चुकी है तो उसे भारत में फिर ट्रॉयल से नहीं गुजरना होगा।

सस्ती होंगी दवाइयां : सूत्रों का कहना है कि सरकार के इस फैसले से दवाओं की सुगमता से उपलब्धता भी होगी। साथ ही विदेश की कम्पनियों के साथ भारत का करार होता है तो उसका उत्पादन भी भारत में ही होगा और इससे यह दवाएं काफी सस्ती हो जाएंगी।

बायोटेक दिग्गज एमजेन हैदराबाद में प्रौद्योगिकी एवं नवाचार केंद्र खोलने की योजना बना रही है

लंदन: अमेरिकी बायोटेक दिग्गज एमजेन ने भारत के हैदराबाद में एक नई प्रौद्योगिकी और नवाचार साइट खोलने की अपनी योजना की घोषणा की। एमजेन के नाम से जानी जाने वाली यह साइट हैदराबाद के उपनगर एचआईटीईसी सिटी में स्थित होगी, जो आरएमजेड स्पायर टॉवर की छह मंजिलों पर स्थित होगी, जिसमें 3,000 लोगों के रहने की क्षमता होगी। यह साइट 2024 की चौथी तिमाही में चालू हो जाएगी। एमजेन इंडिया शुरू में बड़े पैमाने पर नई प्रौद्योगिकी समाधान और डिजिटल क्षमताओं का निर्माण और गति प्रदान करेगी जो पूरे उद्यम में दक्षता बढ़ाएगी। यह साइट ऐसी भूमिकाएँ प्रदान करेगी जो समय के साथ कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), डेटा विज्ञान, जीवन विज्ञान और अन्य अतिरिक्त वैश्विक क्षमताओं सहित एमजेन के व्यवसाय के प्रमुख क्षेत्रों को मजबूत करती हैं। सोम चट्टोपाध्याय को भारत में एमजेन की विस्तारित उपस्थिति का नेतृत्व करने के लिए राष्ट्रीय कार्यकारी के रूप में नियुक्त किया गया है। कैलिफोर्निया स्थित एमजेन, जिसका 2023 में राजस्व 28.2 बिलियन डॉलर है, लगभग 27,000 कर्मचारियों के साथ दुनिया की अग्रणी बायोटेक कंपनियों में से एक है और भारत सहित दुनिया भर के लगभग 100 देशों और क्षेत्रों में इसकी उपस्थिति है। ऐसे समय में जब तेजी से बूढ़ी होती वैश्विक आबादी को अधिक नवाचार की आवश्यकता है, जैव प्रौद्योगिकी और प्रौद्योगिकी का अभिसरण एमजेन को अधिक गति, आत्मविश्वास और दक्षता के साथ काम करने में सक्षम बना रहा है - एक अविश्वसनीय रूप से रोमांचक मील का पत्थर जिसके लिए हम एक दशक से अधिक समय से तैयारी कर रहे हैं, एमजेन के कार्यकारी उपाध्यक्ष और मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी डेविड एम. रीज ने कहा। एमजेन 40 से अधिक वर्षों से जैव प्रौद्योगिकी में अग्रणी रहा है और भारत में इस नए साइट की स्थापना, जो अपनी विश्व स्तरीय प्रौद्योगिकी और जीवन विज्ञान प्रतिभा के लिए जाना जाता है, रोगियों की सेवा करने के हमारे मिशन को पूरा करने की हमारी यात्रा में एक महत्वपूर्ण कदम है, रीज ने कहा। हैदराबाद में एमजेन की नई साइट नवाचार और प्रौद्योगिकी के केंद्र के रूप में शहर की स्थिति को रेखांकित करती है, मुख्यमंत्री अनुमुला रेवंत रेड्डी ने निवेश का स्वागत करते हुए कहा।

मेडिकल स्टोर संचालक और एमआर नशीली दवाइयों की तस्करी में गिरफ्तार

मुरादाबाद: प्राप्त समाचार के अनुसार मेडिकल स्टोर संचालक और एमआर को नशीली दवाइयों की तस्करी में गिरफ्तार करने का मामला सामने आया है। कटघर थाने की पुलिस ने यह कार्रवाई की। दोनों आरोपियों से प्रतिबंधित दवाइयां बरामद की गई है। पुलिस इस गिरोह के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है। एसपी सिटी अखिलेश भदौरिया ने बताया कि कटघर थाने की पुलिस ने कर्बला के पास से मझोला के चाऊ की बस्ती निवासी लक्ष्मी नारायण और जयंतीपुर निवासी शाहनवाज को गिरफ्तार किया है। आरोपियों क पास से भारी मात्रा में नशीली गोलियां, इंजेक्शन, कैप्सूल और सीरप बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपियों से दवाइयां, मोबाइल, बाइक और नकदी बरामद की गई है। पुलिस पूछताछ में आरोपी लक्ष्मी नारायण ने बताया कि कटघर के भदौरा में मेडिकल स्टोर चलाता है और दूसरा आरोपी शाहनवाज मझोला के जयंतीपुर गली नंबर तीन में रहता है। शाहनवाज ने बताया कि वह दवाई कंपनी में एमआर रह चुका है। उसे दवाओं के बारे में अच्छी जानकारी हो गई थी। गलशहीद के भूड़ा का चौराहा निवासी शाहरुख उसे दवाइयां उपलब्ध कराता है। इसके बाद वह मेडिकल स्टोर वालों को सप्लाई करता है। उसने बताया कि मेडिकल स्टोर संचालक इन दवाओं को महंगे दामों पर नशा करने वाले युवकों को बेचते हैं। रात के समय शाहनवाज लक्ष्मी नारायण को दवाइयां बेचने जा रहा था। इसी दौरान पुलिस ने उसे दबोच लिया। सीओ कटघर आशीष प्रताप सिंह ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर किया है। दोनों को कोर्ट में पेश कर जेल भेजा गया है। इनके साथी शाहरुख की भी तलाश की जा रही है।

प्रतिबंधित दवाओं के साथ तस्कर को किया गिरफ्तार

सोलन (हप्र)। प्राप्त समाचार के अनुसार प्रतिबंधित दवाओं के साथ तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह कार्रवाई चंबाघाट सब्जी मंडी के समीप की। आरोपी युवक के कब्जे से 380 प्रतिबंधित टेबलेट बरामद की हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे ड्रग निरीक्षक के हवाले कर दिया है। जानकारी के अनुसार पुलिस टीम चंबाघाट में एचआरटीसी वर्कशॉप के पास गश्त पर थी। इस बीच सूचना मिली कि एक व्यक्ति नशीली गोलियों की तस्करी के लिए आ रहा है। पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई। वहीं युवक पुलिस को देखकर घबरा गया और भागने की कोशिश करने लगा। तभी पुलिस ने आरोपी तस्कर को मौके पर ही दबोच लिया। युवक की पहचान रमेश खन्ना निवासी गांव सावड़ा जिला देहरादून उत्तराखंड के रूप में की गई है। तलाशी लेने पर आरोपी के कब्जे से 380 प्रतिबंधित नशीली टेबलेट्स बरामद हुई हैं। एसपी सोलन गौरव सिंह ने बताया कि जांच के दौरान आरोपी नशीली दवाओं के संबंध में कोई भी वैध बिल नहीं दिखा पाया। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

अगस्त एवं सितंबर माह के व्रत एवं त्यौहार

11.08.2024	तुसीदास जयंती
15.08.2024	स्वतन्त्रता दिवस
16.08.2024	एकादशी
19.08.2024	रक्षाबन्धन
24.08.2024	हरिछटिपूजा बिहार
26.08.2024	श्रीकृष्णजन्माष्टमी
29.08.2024	एकादशी
03.09.2024	स्नानादि अमावस्या

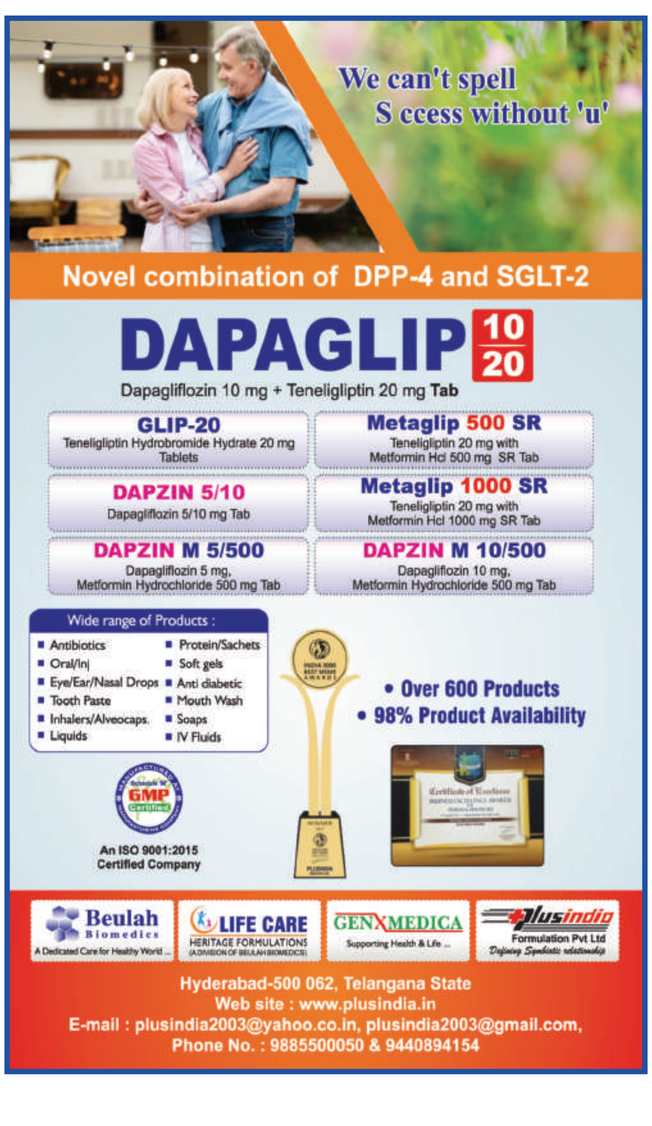

मणिपाल हॉस्पिटल में डाक्टरों की बड़ी लापरवाही, तीन के खिलाफ एफआईआर

गाजियाबाद: प्राप्त समाचार के अनुसार निजी अस्पताल के डाक्टरों की बड़ी लापरवाही का मामला सामने आया है। जांच के बाद तीन डॉक्टरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करा दी गई है। मणिपाल हॉस्पिटल में 18 अक्टूबर, 2023 को प्रिया वर्मा नामक महिला को सडक दुर्घटना के बाद भर्ती कराया गया था। प्रिया को पीठ के निचले हिस्से और सीने में दर्द के साथ दायीं टांग को हिलाने में तकलीफ हो रही थी। डाक्टरों ने जांच के बाद रीढ़ की हड्डी में दिक्कत बताई थी। एमआरई में एन5एस1 में उभार देखे जाने की बात कहते हुए न्यूरो सर्जन ने सर्जरी की सलाह दी थी। प्रिया का एंडो-पोर्टल माइक्रोस्कोपिक डिस्केक्टॉमी यानि सर्जरी की गई, लेकिन उसकी ऑपरेशन थिएटर में ही मौत हो गई थी। प्रिया के पिता ने डाक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कविनगर थाना पुलिस को शिकायत दी थी। मामले की जांच के बाद अब कविनगर थाना पुलिस ने आरोपी तीन डाक्टरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। एसीपी कविनगर अभिषेक श्रीवास्तव ने बताया कि मणिपाल हॉस्पिटल के तीन डाक्टरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। अक्टूबर, 2023 में सर्जरी के दौरान 21 वर्षीय प्रिया वर्मा की ऑपरेशन थिएटर में ही मौत हो गई थी।

प्रतिबंधित नशीली कफ सिरप का जखीरा पकड़ा, तस्कर गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण: प्राप्त समाचार के अनुसार प्रतिबंधित नशीली कफ सिरप का जखीरा बरामद करने में सफलता मिली है। साथ ही एक तस्कर को कार समेत गिरफ्तार किया गया है। यह कार्यवाही नेपाल सीमा से सटे शहर रक्सौल में आबकारी विभाग की टीम द्वारा की गई। रक्सौल आबकारी इंस्पेक्टर अभिषेक आनंद ने बताया कि नागा रोड निवासी सचिन कुमार सिंह को प्रतिबंधित कफ सिरप के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस आबकारी टीम ने मौके पर पहुंचकर आरोपी की कार से 16 पेटी में रखे गए 2120 पीस कफ सिरप जब्त किए है। ये कुल 212 लीटर है।

इंस्पेक्टर ने बताया कि रात के समय गुप्त सूचना मिली थी कि एक कार से भारी मात्रा में नशीली कफ सिरप की तस्करी होने वाली है और उसके बाद वाहन जांच में तेजी लाई गई। नाकाबंदी के दौरान एक कार को रोका और उसकी तलाशी में 16 पेटी नशीली कफ सिरप बरामद की। आरोपी युवक के खिलाफ रक्सौल आबकारी थाना में मामला दर्ज कर आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। सिरप तस्करी में इस्तेमाल में लाई गई कार को भी कब्जे में ले लिया गया है।

मैडीकल दर्पण मीडिया हाउस की ओर से जन्मदिन पर ढेर सारी शुभकामनाएं

SHRI RUPESH SHAH JI	SURAT	10/08/1970	9879050250
SHRI MILIND KUMAR JAIN CHAODIYA JI	NASHIK	11/08/1966	9834933318
SHRI DINESH KHANDELWAL JI	DHULE	12/08/1973	9420373600
SHRI RAKESH SHARMA JI	AGRA	12/08/1975	9760134868
SHRI PAWAN KUMAR R. AGARWAL	NANDURABAR	12/08/1977	9511829507
MR. SANJAY RAMAWAT JI	CHANDRAPUR	13/08/1971	9422136436
SHRI SHROFF JITENDRA KUMAR JI	BANASKANTHA	14/08/1973	9824002990
SHRI JITENDRA JAIN JI	BHARUCH	14/08/1981	9427105080
MR. VIKAS RASTOGI JI	MEERUT	14/08/1975	9897541391
Shri VIKAS KADIAN JI	SONIPAT	15/08/1979	9812672555
SHRI GANPAT SINGH T RATHORE	BHARUCH	15/08/1985	9909148462
SHRI TEJESH GIRHEPUNJE	BHANDARA	15/08/1947	9423407577
DR. DEEP CHAND MITTAL JI	BULANDSHAHR	15/08/1954	9760586885
DR. NAIMUDDIN SAIFI JI	BULANDSHAHR	15/08/1974	7535848474
SHRI ROHIT SHARMA JI	BULANDSHAHR	16/08/2003	8923457046
DR. MEGHRAJ SINGH JI	BULANDSHAHR	16/08/1978	9536501277
SHRI LALIT BOROLE JI	JALGAON	16/08/1976	7276742158
SHRI JAIPRAKASH TEKCHANDANI JI	NAGPUR	17/08/1978	9372555595
SHRI MITESH Y. AGARWAL JI	GONDIA	17/08/1992	9403399266
SHRI MAHENDRA C. SHAH JI	KOLHAPUR	18/08/1960	9890684848
SHRI NAVIN AGARWAL JI	GONDIA	18/08/1978	9422313303
SHRI SHYAM TIWARI JI	AGRA	20/08/1967	9319212295
SHRI PRADEEP KUMAR GOUR JI	BULANDSHARHR	20/08/1957	9412858870
SHRI DEVENDRA SINGH JI	ETAH	20/08/1985	9719496764
SHRI GAURANG SHAH JI	SABARKANTHA	21/08/1976	9825040512
SHRI UTPAL SHARMA JI	GONDIA	21/08/1970	8888670904
SHRI BALARAJU ALURI JI	MEDCHAL	21/08/1972	7093591111
SHRI HITESH H. KALSARIYA JI	SURAT	22/08/1979	9879380463
SHRI RAKESH KHATWANI JI	NAGPUR	22/08/1978	9850370301
SHRI SURESH PATIL JI	JALGAON	22/08/1975	9423190260
SHRI DINESH KUMAR JI	SURAT	23/08/1981	9427793426
SHRI SATYAPAL J.RAKA JI	NASHIK	23/08/1983	9665044450
SHRI SUDHIR GOSWAMI JI	NADIA	25/08/1976	7001319031
SHRI PRAVIN KUMAR GUPTA JI	AGRA	25/08/1970	9897166688
SHRI ZAKIR ALI JI	ALIGARH	25/08/1990	8006007551
SHRI PRAVIN S. MUNDLE JI	WARDHA	27/08/1984	9325429821
SHRI VAIBHAV BORSE JI	DHULE	27/08/1987	8888722577
SHRI DINESH R. MALU JI	JALGAON	27/08/1974	9823503212
SHRI PRADEEP SANKPAL JI	KOLHAPUR	28/08/1977	7083848429
MOHD.ADIL JI	NASHIK	28/08/1930	8983172038
SHRI SANJAY R. TIWARI JI	JALGAON	30/08/1967	9823027474
SHRI HARISH BAHEKAR JI	GONDIA	31/08/1986	9168439103
SHRI RAJESH JAIN JI	JALGAON	01/09/1969	9420112646
DR. ASHOK KUMAR RAGHUVANSHI JI	BULANDSHAHR	01/09/1969	8057254610
SHRI HARISH PURI JI	MEHSANA	03/09/1975	9824687563
SHRI MANIK NAGARE JI	NASHIK	03/09/1982	9545082121
SHRI VISHAL INGALE JI	WARDHA	04/09/1979	9423889084
MR. VIKAS KUMAR AGARWAL JI	BHUBANESWAR	04/09/1979	9437008789
SHRI ALPESH BHARODIYA JI	SURAT	05/09/1983	9998123928
SHRI HITESH PATEL JI	PATAN	05/09/1998	7284803099
SHRI VISHAL BORSE JI	JALGAON	05/09/1978	9420107438
SHRI VIJAY JOSHI JI	JALGAON	05/09/1983	9561942464
SHRI SURYA KR. GUPTA JI	BANDA	05/09/1982	9415189905
MR. DILIP KUMAR BEHERA JI	ANGUL	06/09/1972	9437426191
SHRI SANTOSH S.KADLAG JI	NASHIK	06/09/1978	9960348500
SHRI ROHAN S.ANDHOLKAR JI	JALGAON	06/09/1988	9860273472
SHRI PUNEET KALRA JI	AGRA	06/09/1979	9760839729
SHRI VIRAJ BAGOLE JI	PUNE	06/09/1984	9890300114
MR. PREMRAJ M. GAKHARE JI	WARDHA	06/09/1985	8805337033
SHRI UMESH R. UNNARKAR JI	NAGPUR	07/09/1974	9921616272
SHRI NITIN S. CHAVAN JI	JALGAON	07/09/1972	9850999837
SHRI VINAY CHAUDHARI JI	JALGAON	08/09/1985	8007000300
SHRI HARKESH SAINI JI	AMBALA	09/09/1976	9050939364
SHRI VISHNU HATWAR JI	GONDIA	10/09/1971	9923627806

अवैध अस्पताल पर रेड, मेडिकल स्टोर भी मिला, एफआईआर कराई दर्ज

आगराः अवैध अस्पताल पर स्वास्थ्य विभाग की टीम ने छापेमारी की और एफआईआर दर्ज कराई है। जगनेर स्थित प्रीति हॉस्पिटल पर छापेमारी के दौरान संचालक अस्पताल का वैध लाइसेंस नहीं दिखा सका। जांच के दौरान पता चला कि अस्पताल में बिना किसी विशेषज्ञ डॉक्टर के प्रसव भी कराए जाते थे। वहीं, अस्पताल में अवैध रूप से मेडिकल स्टोर भी चलता मिला। स्वासथ्य विाािग की टीम ने अस्पताल और मेडिकल स्टोर दोनों को बंद करा दिया और संचालक के खिलाफ एफआईआर कराई है। बता दें कि इससे पहले भी अस्पताल को बंद कराया गया था। सीएमओ डॉ. अरुण श्रीवास्तव के अनुसार क्षेत्रीय लोगों ने शिकायत दी थी कि बिना लाइसेंस के अस्पताल चल रहा है। यहां विशेषज्ञ चिकित्सक भी नहीं है और गर्भवती महिलाओं के प्रसव कराए जाते हैं। ऐसे में डॉ. जितेंद्र लवानिया को जांच के लिए भेजा गया। छापेमारी के दौरान अस्पताल संचालक रामप्रकाश और इसकी पत्नी प्रीति मिली। रामप्रकाश ने खुद को बीएएमएस डिग्रीधारक बताया। पत्नी के पास कोई चिकित्सकीय डिग्री नहीं मिली। अस्पताल का लाइसेंस मांगा तो वह भी नहीं दिखा पाए। मौके पर 4 बेड पड़े दिखाई दिए। नवजात के लिए वार्मर भी लगा था। पता चला कि प्रीति ही प्रसव कराती है। इसके चलते थाना जगनेर में एफआईआर दर्ज करवाई है। बताया गया कि अस्पताल के अंदर मेडिकल स्टोर भी चल रहा था। यहां दवाएं बेतरतीब मिलीं। संचालक इसका लाइसेंस भी नहीं दिखा पाया। इसकी जानकारी औषधि विभाग को दे दी गई हैं। सहायक आयुक्त औषधि अतुल उपाध्याय का कहना है औषधि निरीक्षक भेजकर मेडिकल स्टोर की जांच कराएंगे।

प्रतिबंधित नशीली 440 गोलियों के साथ युवक को गिरफ्तार किया

रतिया, फतेहाबादः प्रतिबंधित नशीली 440 गोलियों के साथ युवक को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। गिरफ्तार युवक की पहचान रतिया निवासी सुजीत सिंह के रूप में हुई है। यह कार्रवाई एंटी नारकोटिक सेल ने की। एंटी नारकोटिक सेल प्रभारी अशोक कुमार ने बताया कि एएसआई मेजर सिंह के नेतृत्व में टीम गश्त पर थी। इसी दौरान सूचना मिली कि सुजीत सिंह युवक टोहाना रोड रतिया बाईपास पर खड़ा है। उसके पास काफी मात्रा में प्रतिबंधित गोलियां हैं। सूचना के आधार पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और वहां बुढलाडा की तरफ से आते युवक को रोका।

नशीली गोलियां ले जाता मेडिकल स्टोर संचालक अरेस्ट

कुरुक्षेत्रः प्राप्त समाचार के अनुसार नशीली गोलियां अपनी स्कूटी में छिपाकर ले जाते मेडिकल स्टोर संचालक को गिरफ्तार किया है। हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो यूनिट कुरुक्षेत्र की टीम ने यह कार्रवाई की। आरोपी मेडिकल स्टोर संचालक के पास कुल 3064 प्रतिबंधित नशे की गोलियां मिली। एनसीबी के डीएसपी राजकुमार कौशिक ने बताया कि उनकी टीम झांसा रोड में गश्त पर थी। तभी टीम को सूचना मिली कि महिपाल राणा का गांधी नगर में मेडिकल स्टोर है। महिपाल स्टोर की आड़ में नशे की गोलियां बेचता है। सूचना के आधार पर टीम ने भद्रकाली मंदिर के पास नाकाबंदी कर दी।

कुछ देर बाद टीम को स्कूटी पर एक व्यक्ति आता दिखाई दिया। वह टीम को देखकर स्कूटी मोड़कर भागने का प्रयास करने लगा। शक होने पर टीम ने उसे स्कूटी समेत काबू कर लिया। टीम ने तलाशी ली तो उसकी स्कूटी की डिक्की से 329 पत्ते दवाओं के बरामद हुए। इसमें 3064 ट्रामाडोल की गोलियां मिलीं। आरोपी के खिलाफ थाना कृष्णा गेट में मामला दर्ज कर लिया और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

स्वास्थ्य विभाग की रेड तीन अस्पताल सील

मुजफ्फरनगरः प्राप्त समाचार के अनूसार साम. ुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ. सतीश कुमार के नेतृत्व में नहर पटरी पर स्थित हॉस्पिटल, बिस्मिल्लाह मार्केट स्थित हॉस्पिटल और थानाभवन रोड पर एक क्लीनिक एवं एक एक्स-रे मशीन की दुकान को चेक किया। कुछ दिन पहले विभाग ने कस्बे एवं ग्रामीण क्षेत्र में संचालित मेडिकल स्टोर अस्पताल एवं क्लीनिक को अपने कागजात एवं लाइसेंस दिखाने के लिए नोटिस जारी किया था। इस संबंध में कुछ संच. ालकों ने स्वास्थ्य विभाग के आदेश का पालन नहीं किया। इसी के बाद विभाग ने जांच पड़ताल शुरू की। छापेमारी की सूचना मिलते ही कई अस्पताल और मेडिकल स्टोर संचालक अपने क्लीनिक बंद कर चले गए। इसी बीच स्वास्थ्य विभाग की टीम ने तीन अस्पतालों और एक एक्स-रे मशीन पर सील लगा दी।

सीएचसी प्रभारी ने बताया कि कई हॉस्पिटल अवैध रूप से संचालित किए जाने की शिकायत मिल रही थी। उसी के अनुपालन में यह कार्रवाई की गई है। 15 दिन बाद भी नोटिस दिए जाने के बाद भी कई अस्पताल संचालकों ने कोई जवाब नहीं दिया और न ही लाइसेंस संबंधी काग. जात जमा करवाए। छापेमार टीम में थाना प्रभारी जसवीर सिंह, फार्मासिस्ट जोध सिंह, मोहन कुमार आदि शामिल रहे।

मेडिकल स्टोर संचालक ने दी गलत दवा, महिला की मौत पर हंगामा

उन्नावः मेडिकल स्टोर संचालक पर गलत दवा देने का आरोप लगा है। बताया गया कि गलत दवा के कारण ही महिला की मौत हुई। इस पर परिजनों ने हंगामा कर दिया। जानकारी अनुसार दही थाना क्षेत्र के कटरा गांव की महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। इस पर परिजनों ने मेडिकल स्टोर संचालक पर गलत दवा देने का आरोप लगाया और हंगामा खड़ा कर दिया। हंगामे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और कार्रवाई का आश्वासन देकर मामला शांत कराया।

बताया गया कि मेडिकल स्टोर संचालक और परिजनों में समझौता होने के बाद परिजनों ने पोस्टमार्टम कराने से मना कर दिया। पुलिस ने पंचायतनामा भरकर शव परिजनों को सौंप दिया। दही थाना क्षेत्र के कटरा के मुन्ना की पत्नी माधुरी धान की रोपाई कर घर लौटी थी। बदन में तेज दर्द होने पर बेटे अजय ने गांव के पास स्थित मेडिकल स्टोर से दवा लाकर मां को खिला दी। देर रात माधुरी की हालत में सुधार न होने पर स्टोर संचालक ने कुछ अन्य दवा दी और जिला अस्पताल ले जाने को कहा। परिजन एंबुलेंस से अस्पताल ले जा रहे थे कि रास्ते में माधुरी की मौत हो गई। नाराज परिजनों ने मेडिकल स्टोर संचालक पर गलत दवा देने का आरोप लगाते हुए हंगामा कर दिया। पुलिस ने परिजनों को समझाया और कार्रवाई का आश्वासन दिया। इंस्पेक्टर अनुराग सिंह ने बताया कि शिकायत मिलने पर पुलिस स्टोर संचालक को थाने ले आई। परिजनों ने स्टोर संचालक से आर्थिक मदद मिलने पर समझौता कर लिया।

लोहिया अस्पताल के 6 डॉक्टर सात दिन के लिए सस्पेंड

लखनऊः प्राप्त समाचार के अनुसार लोहिया अस्पताल के छह डॉक्टरों को सात दिन के लिए सस्पेंड किया गया है। ये आदेश उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने जारी किए। अधूरे इलाज के बाद बेड खाली नहीं होने की बात कहकर मरीज को रेफर किए जाने का आरोप है। इस मामले में सात अन्य को दो दिनों के लिए सस्पेंड किया गया है। सीतापुर के अल्लीपुर निवासी दिनेश चंद्र को सांस लेने में तकलीफ पर लोहिया अस्पताल की इमरजेंसी में लाया गया था। दिनेश का ऑक्सीजन लेवल 86 पाया गया। ब्लड प्रेशर भी असामान्य था। मरीज को बेड नहीं मिल पाया। रातभर स्ट्रेचर पर ही इलाज किया गया। अगले दिन डॉक्टरों ने बेड खाली नहीं होने की बात कहकर दिनेश को रेफर कर दिया। मामला सामने आने पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने सख्त रुख दिखाया। उन्होंने जिम्मेदारों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए। शुरुआती जांच में इमरजेंसी में तैनात डॉक्टर से लेकर कर्मचारियों तक की लापरवाही सामने आई है। संस्थान प्रशासन ने कार्रवाई कर रिपोर्ट शासन को भेज दी है। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. विक्रम सिंह के अनुसार छह डॉक्टरों समेत कुल 13 पर कार्रवाई हुई है। इनमें इमरजेंसी मेडिसिन विभाग के दो डॉक्टर, दो मेडिकल ऑफिसर, दो जूनियर रेजिडेंट (नॉन पीजी) शामिल हैं। इनके अलावा दो सोशल वर्कर, दो गार्ड व तीन अन्य को दो दिनों के लिए सस्पेंड किया गया है। फिलहाल मामले की गहन जांच की जा रही है।

मेडिकल स्टोर मालिक के घर पर छापा, लाखों रुपये की दवाएं जब्त

फरीदकोट (पंजाब)ः मेडिकल स्टोर मालिक के घर पर छापा मारकर लाखों रुपये की नशीली दवाएं जब्त की गई हैं। यह कार्रवाई स्वास्थ्य विभाग और पुलिस की एक संयुक्त टीम ने की। टीम ने मेडिकल स्टोर मालिक के घर से 10.61 लाख की ड्रग मनी और भारी संख्या में प्रतिबंधित दवाएं और नशीले पदार्थ जब्त किए हैं। पुलिस उपाधीक्षक संजीव कुमार ने बताया कि अपराध जांच विभाग से सूचना मिलने के बाद ड्रग इंस्पेक्टर हरजिंदर सिंह के साथ गाबा मेडिकल स्टोर पर छापा मारा। टीम ने स्टोर मालिक के घर की भी तलाशी ली और 5,270 प्रतिबंधित गोलियां, 260 कैप्सूल और गर्भपात किट जब्त कीं। डीएसपी ने कहा कि टीम ने ड्रग मनी के 10.61 लाख रुपये भी मौके से जब्त किए हैं। स्टोर के मालिक आरोपी रजत गाबा को गिरफ्तार कर लिया गया है। फिलहाल आगामी कार्रवाई को अमल में लाया जा रहा है।

+ Veterinary GRAMPUS Division +
MANUFACTURER of ECTOPARASITICIDES
Email-id: sales.grampus@gmail.com
Web Site: www.grampuslaboratories.com

1.	AMITRAZ	-5% & 12.5%
2.	AMITRAZ	-2% POUR ON
3.	FLUMETHRIN	-1% POUR-ON
4.	CYPERMETHRIN	-1%, 10%,12%, 15%
5.	CYPERMETHRIN	-10% + ETHION 8%
6.	CYPERMETHRIN	-1%, 10% POWDER
7.	DELTAMETHRIN	-1.25% , 1.75%, 2.5%
8.	PERMETHRIN	-2%, 5%, 10%, 11%
9.	FIPRONIL	-0.25%, 1%, 9.7%

ALL PACKS AVAILABLE IN ALUMINIUM, TIN & PET BOTTLES
6ml, 15ml WALL HANGING TRAY PACKS AVAILABLE
FOR PCD & THIRD PARTY : 099960-19744. 78762-20222.
GRAMPUS LABORATORIES
Mfg. Unit: Johron, Near Industrial Area, Kala Amb.(H.P)

मां का दूध बच्चे के लिए है बेहद फायदेमंद, स्तनपान से दोनों को लाभ

नई दिल्ली: प्राप्त समाचार के अनुसार मां का दूध बच्चे के लिए बेहद फायदेमंद माना गया है। दरअसल, स्तन का दूध न केवल बच्चे को उसकी जरूरत के सभी पोषक तत्व देता है, बल्कि यह एंजाइम और एंटीबॉडी जैसे जरूरी तत्व भी प्रदान करता है। हर साल 1 से 7 अगस्त तक दुनियाभर में स्तनपान दिवस मनाया जाता है। यह दिन माताओं को सशक्त बनाने, शिशु के लिए स्तनपान का महत्व बताता है और जागरुकता बढ़ाने वाली सहायक नीतियों को बढ़ावा देता है। बता दें कि यूनिसेफ और डब्ल्यूएचओ ने माताओं तथा शिशुओं के जीवित रहने तथा फलने-फूलने के अधिकारों की रक्षा के लिए स्तनपान सहायता में सुधार की जरूरत पर जोर दिया है। स्तन का दूध न केवल शिशुओं को उनकी जरूरत के सभी पोषक तत्व प्रदान करता है और यह एंजाइम और एंटीबॉडी जैसे आवश्यक तत्व भी प्रदान करता है। स्तनपान में वह सब कुछ होता है जो शिशु को जीवन के पहले 6 महीनों में चाहिए। सभी सही अनुपात में। बच्चे के जन्म के बाद शुरुआती दिनों में मां के स्तनों से कोलोस्ट्रम नामक गाढ़ा और पीला तरल पदार्थ निकलता है। इसमें प्रोटीन अधिक होता है, चीनी कम होती है और यह लाभकारी यौगिकों से भरा होता है। कोलोस्ट्रम आदर्श पहला दूध है और नवजात शिशु के अपरिपक्व पाचन तंत्र को विकसित करने में मदद करता है। पहले कुछ दिनों के बाद, जैसे-जैसे शिशु का पेट बढ़ता है, स्तन अधिक मात्रा में दूध का उत्पादन करना शुरू कर देते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार जो माताएं स्तनपान कराती हैं उनमें स्तन कैंसर होने का खतरा कम होता है। स्तनपान कराने से असामान्य कोशिका वृद्धि का जोखिम कम रहता है जोकि कैंसर का कारण बन सकता है।

PCD Pharma Franchise Opportunity
CARDIAC & DIABETIC RANGE
JOIN THE MIKAYLA FAMILY AND CULTIVATE A CARING PARTNERSHIP FOR LIFE
CONTACT DETAILS:
SALES@MIKAYLA.IN
+91 9915501900

11 हॉस्पिटल बीडीए टीम के रडार पर आए, सुरक्षा मानकों की कर रहे अनदेखी

बरेली (उप्र): प्राप्त समाचार के अनुसार 11 हॉस्पिटल बीडीए टीम के रडार पर आ गए हैं। निरीक्षण के दौरान इनमें सुरक्षा मानकों की अनदेखी पाई गई है। बता दें कि दिल्ली में कोचिंग के बेसमेंट में पानी भरने से छात्रों की मौत के बाद बरेली में बीडिए भी सतर्क हो गया है। जिले में बीडीए के सर्वे के बाद 11 अस्पताल रडार पर आ गए हैं। सुरक्षा के लिहाज से ये भवन मानकों पर खरे नहीं उतर सके।

मानकों पर खरे नहीं उतरे भवन : बरेली विकास प्राधिकरण (बीडीए) ने निजी अस्पताल, नर्सिंग होम आदि का सर्वे किया। सुरक्षा के मद्देनजर 11 भवन मानकों पर खरे नहीं उतर सके। इन भवनों में आपातस्थिति में यहां से निकलने का कोई और रास्ता नहीं है। कई भवनों में फायर से निपटने के पुख्ता इंतजाम नहीं मिले। ज्यादातर भवनों में कमियां पाई गई हैं। बीडीए ने इन भवन मालिकों को नोटिस सौंपे हैं। बीडीए ने डा.एमए खान स्टेडियम रोड, अमन नर्सिंग होम शाहजहांपुर रोड, संत हॉस्पिटल, स्टेडियम रोड, सांई अस्पताल स्टेडियम रोड, अमन नर्सिंग होम शाहजहांपुर रोड, साई सुखदा हॉस्पिटल पीलीभीत बाईपास रोड, पर निरीक्षण किया। इनके अलावा, मैक्स हॉस्पिटल शाहजहांपुर रोड, आला हजरत हॉस्पिटल पीलीभीत बाईपास रोड, डा. इरफान हॉस्पिटल स्टेडियम रोड, कलाम हॉस्पिटल स्टेडियम रोड, चन्द्रलोक हॉस्पिटल पीलीभीत बाईपास रोड, प्रकाश हॉस्पिटल स्टेडियम रोड का भी सर्वे किया गया।

Matteo
Committed for healthier lives
Matteo Formulation Pvt.Ltd.
Contact for 3rd Party Manufacturing, Export & PCD Franchise
GMP & ISO 9001:2015 CERTIFIED
TIMELY DELIVERY
ATTRACTIVE PACKING
100% QUALITY ASSURANCE
SPECIALIZATION IN PSYCHOTROPIC & NEUROLOGY DRUG MANUFATURING
WE HAVE MORE THAN 1000 APPROVALS
TABLETS CAPSULES
ADDRESS- Matteo Formulation Pvt.Ltd. (GMP & ISO 9001:2015 Certified Company) Plot No. 51, Lakeshwari, Bhagwanpur, Roorkee, Distt. Haridwar (UK)-247661
M No. :- 9826075466
Website - www.matteoformulation.com
E-mail - matteoformulation@gmail.com
matteoformulationbd@gmail.com

दवा तस्करी के मामले में कैमिस्ट समेत 3 गिरफ्तार

नई दिल्ली: प्राप्त समाचार के अनुसार नशीली दवा की तस्करी में केमिस्ट समेत तीन लोगों को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल ब्रांच ने आरोपियों के कब्जे से पांच करोड़ की दवाएं भी जब्त की हैं। इन दवाओं में प्रतिबंधित ट्रामाडोल (1,58,544 कैप्सूल), अल्प्राजोलम (1560 गोलियां), कोडीन सिरप (692 बोतलें) और 3.14 लाख रुपये नकद बरामद किए हैं। गिरफ्तार ड्रग्स तस्करों के नाम मोहम्मद अनस व निवेश कुमार बताए गए हैं। दोनों उत्तर-पूर्वी दिल्ली के निवासी हैं। वहीं, तीसरे आरोपित का नाम लवकेश सिंधी है और वह लक्ष्मी नगर निवासी केमिस्ट है। डीसीपी स्पेशल सेल को सूचना मिली कि कुछ ड्रग्स तस्कर साइकोट्रोपिक पदार्थ युक्त दवाओं की अवैध खेप लखनऊ से खरीदकर उत्तर-पूर्वी दिल्ली में सप्लाई करने वाले हैं। पुलिस टीम ने यमुना विहार क्षेत्र से मोहम्मद अनस को दबोच लिया। वह आठ कार्टन में दवाई लेकर उसे किसी को डिलीवरी करने जा रहा था। आरोपी मोहम्मद अनस से पूछताछ के बाद निवेश कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया गया। उसकी निशानदेही पर 288 ट्रामाडोल कैप्सूल और 2.92 लाख नकद जब्त किए हैं। वहीं, केमिस्ट लवकेश उर्फ लकी को भी दबोच लिया गया है। पता चला है कि आरोपी लकी के नाम से लक्ष्मी नगर में केमिस्ट की दुकान चलाता है। पुलिस के अनुसार आरोपी मोहम्मद अनस मूलरूप से मेरठ का रहने वाला है और यहां कर्दमपुरी में रहता है। निवेश कुमार ओल्ड कर्दमपुरी का रहने वाला है। पुलिस ने परिवहन में इस्तेमाल महिंद्रा पिकअप वैन व दो स्कूटी भी अपने कब्जे में ले ली हैं।

Geneka गिनिका Group
Our Plants
JINEKA HEALTHCARE PVT. LTD.
JINEKA HEALTHCARE -1
JINEKA HEALTHCARE -2
GENEKA DRUG PVT. LTD.
VEDA GENEKA
GENEKA PHARMACEUTICALS PVT. LTD.-JAMMU
GENEKA FOILS
We are Having Following Facilities :
TABLETS | CREAM/OINTMENT | SOFT-GELATIN CAPSULE | HARD-GELATIN CAPSULE | LIQUID INJECTABLE | LIQUID ORALS | VETERINARY PREPARATION | MEDICATED SOAPS | EXTERNAL PREPARATION | EXTERNAL PREPARATION | ORAL POWDER | DRY INJECTABLE | HORMONAL LIQUID INJECTION | NUTRACEUTICAL PRODUCT | BETA-LACTUM TABLETS | FOOD SUPPLEMENT | AEROSOL SPRAY | HORMONAL TABLETS | CLAVULANIC ALL RANGE | PALLETS
We are now having Soft gelatin Formulation in Drug
CONTACT INFORMATION :
CONTACT PERSON
Mr. SANKET SHARMA
Mobile : +91-8394904000
E-mail : sanket.jineka@gmail.com
M/S JINEKA HEALTH CARE PVTLTD
Plot No.15, Sector 6B IIE Ranipur
SIDCUL, Haridwar, Uttarakhand (INDIA)
Website : www.genekagroup.in
Follow us:

"Excellence In Healthcare Everyday"
DEUS
LABORATORIES PVT. LTD.
Deus Laboratories Pvt. Ltd
A wide range of speciality products in Third Party Manufacturing, PCD Franchises, Generic & OTC including Tablets, Capsules, Liquids, Ointments, Dry Syrups, Lotions & Neutraceutical Products.
Requires:
* Financially sound parties for state wise monopoly rights.
* Sales Promotional Managers state wise.
DEUS LABORATORIES PVT. LTD.
Manufacturing Unit: Khasra No. 26 kA Shiv Ganga Industrial Estate Village. Lakeshwari, Bhagwanpur Roorkee District. Haridwar Uttrakhand 247661
Corporate Office: 2nd Floor SLV Tower Kanwali Road, Near Balliwala Chowk Dehradun Uttrakhand 248001
Contact Details: Head Office: 7773006620 Sales: 8006077773 Production:8006077772 Designing: 7060028254 Customer Care: +91 135 314 4200 Mail: deuslaboratories@gmail.com

फर्जी डॉक्टर चलाता मिला चिकित्सालय एक सील और चार को थमाए नोटिस

बाराबंकी: फर्जी डॉक्टर को अवैध रूप से हॉस्पिटल चलाते हुए पकड़ा गया है। उसके चिकित्सालय को सील कर दिया है। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने इसके अलावा चार अन्य अस्पताल संच. ालकों को नोटिस थमाए हैं। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने त्रिवेदीगंज क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाया। अवैध क्लीनिक व झोलाछाप डॉक्टरों पर रोक लगाने के लिए कई अस्पतालो का निरीक्षण किया गया। इस दौरान बिना रजिस्ट्रेशन संचालित एक अस्पताल को सीज कर दिया और चार अन्य अस्पतालों में अनियमितता मिलने पर संचालकों को कारण बताओ नोटिस जारी किए है। स्वास्थ्य विभाग की इस कार्रवाई से झोलाछाप डॉक्टरों और अवैध निजी अस्पताल के संचालकों में हड़कंप मच गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने त्रिवेदीगंज क्षेत्र के परीवा चौराहे पर खुले पब्लिक क्लीनिक का निरीक्षण किया और क्लीनिक एक छोटे से कमरे में चलता पाया। वहां पर मौजूद स्टाफ के लोगो से जब संबंधित दस्तावेज दिखाने के लिए कहा गया तो आयुर्वेद का रजिस्ट्रेशन मिला, जबकि इलाज ऐलोपैथिक का किया जा रहा था। इसके चलते टीम ने क्लीनिक को सील कर दिया। टीम भिलवल चौराहे पर खुले बाला जी केयर हास्पिटल पहुंची तो यहां रजिस्ट्रेशन तो मिला लेकिन झोलाछाप चिकित्सक मरीजों का इलाज करते हुए पाया गया। पता चला कि डॉक्टर कही बाहर गए हुए हैं।

अस्पताल का शटर गिराकर फरार हुए डाक्टर : इसके बाद टीम मगलपुरवा चौराहे पर खुले गणेश पाली केयर पर पहुंची तो वहां कोई डॉक्टर मौजूद नहीं था। चिकित्सालय भी खाली वीरान पड़ा था। यहां पर कोई मरीज भी नही मिला। इसके अलावा आरोग्य हेल्थ केयर व बीबीएस हेल्थ केयर त्रिवेदीगंज पर भी अनियमितता पाई गई। यहां पर भी डिग्रीधारी चिकित्सक नहीं था।

Contract Research manufacturer
In Quality and state of Art sections of-
AYURVEDIC AYUSH MARK PRODUCTS
TABLET | CAPSULES | OIL | BHASMA | SYRUP
COSMECEUTICALS
SERUM | PSORIASIS | VITILIGO | SKIN CARE | HAIR CARE
ALLOPATHIC
TABLET | CAPSULE | OINTMENT
NUTRACEUTICALS
Rajani Healthcare Products
Office Address: Purva Complex, Sadashiv Peth Pune 411 030, Maharashtra India
Plant: E-18/1, Jejuri MIDC Tel: Purander Dist: Pune Maharashtra India 412 303, www.rajanipharma.com
pharma789@gmail.com, export.rhcp@gmail.com, info@rajanipharma.com, business@rajanipharma.com
+91 20 24471007 +91 20 24473132 +91 9823096996 +91 8793340533 +91 9168316618 +91 9604639665

ब्रजेश कुमार गर्ग स्वामी की ओर से ब्रजेश कुमार गर्ग द्वारा प्रकाशित, ब्रजेश कुमार गर्ग द्वारा मुद्रित तथा हरिहर प्रैस के लिए इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एण्ड पैकिंग लिमिटेड नोएडा, गौतम बुद्ध नगर में मुद्रित एवं बी.एन.मैडीकल कॉम्प्लैक्स, बुलन्दशहर से प्रकाशित सम्पादक- ब्रजेश कुमार गर्ग.